सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 175 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 9 अप्रैल 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

दुर्ग को एक और वंदे भारत की सौगात

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में रेल सुविधाओं के विस्तार को नई गति देते हुए प्रदेश को एक और वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात मिली हैं। नागपुर-बिलासपुर-नागपुर के बाद यह दूसरी वन्दे भारत एक्सप्रेस होगी जो दुर्ग से शुरू होकर आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम तक जाएगी। सीएम विष्णु देव साय ने इस नई रेल के लिए केंद्र से पत्राचार किया था। वही प्रदेश का आंध्रा समाज भी लम्बे वक्त से इस रुट पर वंदे भारत एक्सप्रेस की मांग कर रहा था जिसे केंद्र की मोदी सरकार ने पूरा कर दिया हैं। इसका संचालन लोकसभा चुनाव के ठीक बाद किया जाएगा। रेलवे ने इस नए ट्रेन का रुट और टाइम टेबल भी तैयार कर लिया हैं। यह नई वंदे भारत एक्सप्रेस दुर्ग जंक्शन से सुबह 6 बजे निकलेगी और दोपहर 2.30 बजे विशाखापट्टनम पहुंचेगी। दोपहर 3.15 को विशाखापट्टनम से छूटेगी। साढ़े आठ घंटे में 565 किलोमीटर की दूरी तय कर रात 11.50 को दुर्ग स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन दुर्ग से रायपुर, लखोली, महासमुंद, खरियार-रोड, कांटा-भांजी, टिटलागढ़, सिंगापुर-रोड, रायगढ़ा, पार्वतीपुरम् और विजयानगरम होते हुए विशाखापट्टनम पहुंचेगी।

केशकाल घाटी में हादसा 2 की मौत

केशकाल। कांकेर जिले के केशकाल में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत की खबर है। घटना में 3 लोग घायल भी हुए हैं। मेटाडोर और ट्रक की भिड़ंत से यह हादसा हुआ। भिड़ंत में एक स्कूटी सवार भी चपेट में आ गया। हादसे के बाद एनएच 30 पर लंबा जाम लग गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंची। जानकारी के अनुसार, फरसगांव थाने के एनएच-30 में स्कूटी, मेटाडोर और ट्रक में भिड़ंत हो गई। इस हादसे में स्कूटी सवार और मेटाडोर ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मेटाडोर में सवार तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। वहीं इस हादसे में ट्रक ड्राइवर घंटों तक ट्रक में ही फँसा रहा। ड्राइवर को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया और इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

भीषण सड़क हादसा, 200 मीटर गहरी खाई में गिरी पिकअप; चालक समेत आठ लोगों की मौत

नैनीताल (एजेंसी)। नैनीताल के पास बेतालघाट क्षेत्र के मल्ला गांव ऊंचाकोट मोटर मार्ग पर सोमवार देर रात करीब 10:30 बजे एक पिकअप 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में चालक समेत आठ लोगों की मौत हो गई। वाहन में सवार दो नेपाली मजदूर भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनको हायर सेंटर रेफर किया गया है। थानाध्यक्ष अनीस अहमद ने बताया कि सोमवार देर रात पिकअप के खाई में गिरने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि वाहन में चालक राजेंद्र कुमार (42) पुत्र हरिराम निवासी ओडाबासकोट के अलावा नौ नेपाली मजदूर सवार थे।

सभी क्षेत्र में पेयजल लाइन बिछाने का काम खत्म करने के बाद वापस लौट रहे थे तभी यह हादसा हो गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले नेपाली मजदूरों के नाम और उनके घर का पता अभी नहीं चला है। घायलों के होश में आने के बाद ही कुछ जानकारी हासिल हो सकेगी।

मोदी फैक्टर बनेगा विजय द्वार!

दुर्ग में कुर्मी-साहू प्रत्याशियों में रोचक मुकाबला, जातीय समीकरण रह सकता है हावी

श्रीकंचनपथ न्यूज डेस्क

रायपुर। दुर्ग लोकसभा क्षेत्र में इस बार का चुनावी नजारा रोचक होने जा रहा है। इस संसदीय क्षेत्र की राजनीति साहू और कुर्मी समाज के ईर्द-गिर्द घूमती रही है। दोनों पार्टियों ने साहू-कुर्मी प्रत्याशियों को आमने-सामने कर जातीय समीकरणों का ताना-बाना बुन दिया है। अलग छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद दुर्ग संसदीय क्षेत्र का यह पांचवां मुकाबला है और अब तक कांग्रेस को महज एक बार सिर्फ इसी जातीय समीकरण के चलते जीत मिली। इसलिए इस बार के मुकाबले से दोनों दलों को काफी आशाएं हैं। देशभर में चल रही मोदी लहर भाजपा का मजबूत आधार है तो कांग्रेस प्रत्याशी को कार्यकर्ताओं का टोटा हो गया है। भूपेश बघेल, ताम्रध्वज साहू और देवेन्द्र यादव के अलग-अलग क्षेत्रों से चुनाव लड़ने के चलते पाटन, दुर्ग ग्रामीण और भिलाई नगर में दुर्ग के कांग्रेस प्रत्याशी कई तरह की दिक्कतों से जूझ रहे हैं।

दुर्ग जिले का राजनीतिक इतिहास कुर्मी और साहू समाज की गोलबंदी से भरा पड़ा है। चंदूलाल चंद्राकर ने दुर्ग को कांग्रेस का अभेद्य किला बनाया तो आगे चलकर ताराचंद साहू ने जातीय और सामाजिक लामबंदी कर इसी दुर्ग को भाजपा का गढ़ बना दिया। छत्तीसगढ़ अलग राज्य बनने के बाद 2004 में पहली बार हुए चुनाव में दोनों दलों ने कुर्मी और साहू प्रत्याशी उतारे थे। तब भाजपा से ताराचंद साहू और कांग्रेस से भूपेश बघेल का मुकाबला हुआ था। इस मुकाबले में ताराचंद साहू ने भूपेश बघेल को 61 हजार से ज्यादा मतों से पराजित किया। इसके बाद 2009 में दोनों दलों ने सामान्य वर्ग के प्रत्याशियों पर दाँव लगाया। इस चुनाव में स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में ताराचंद साहू मैदान में थे, जो तीसरे नंबर पर रहे। यह चुनाव भाजपा की सरोज पाण्डेय ने 9,954 मतों के मामूली अंतर से जीता। अगली दफा 2014 में चुनाव हुए तो भाजपा की सरोज पाण्डेय के सामने कांग्रेस ने जातीय कार्ड खेलते हुए ताम्रध्वज साहू को मैदान में उतारा। राज्य बनने के बाद यह पहला अवसर था, जब कांग्रेस ने जीत का परचम लहराया। वजह साहू समाज की लामबंदी ही थी। इस चुनाव को ताम्रध्वज साहू ने 16,848 मतों से जीता। 2019 के पिछले चुनाव में दोनों दलों ने कुर्मी प्रत्याशियों पर दाँव लगाया। भाजपा से विजय बघेल तो कांग्रेस से प्रतिमा चंद्राकर मैदान में थी। विजय बघेल ने रिकार्ड 3,91,978 मतों से चुनावी जीत दर्ज की। भाजपा ने इस बार भी विजय बघेल पर भरोसा जताया है तो कांग्रेस ने युवा और नए चेहरे के रूप में राजेन्द्र साहू को उतारा है।

मनराखन ने किया एकजुट, ताराचंद को मिला फायदा

लोकसभा चुनाव के शुरूआती दौर की चर्चा करें तो दुर्ग क्षेत्र कांग्रेस का गढ़ रहा, लेकिन बाद में भाजपा ने इस सीट पर अपनी धाक जमाई। 1952 से 1971 तक यहां कांग्रेस का दबदबा रहा। 1977 में जनता पार्टी ने यहां से जीत दर्ज की। फिर 1980 में दुर्ग सीट कांग्रेस के खाते में चली गई। 1989 में जनता दल के उम्मीदवार को जीत मिली। 1991 में कांग्रेस ने जीत हासिल कर हिसाब बराबर किया। 1996 से 2009 तक इस सीट पर भाजपा का कब्जा रहा। 1996 के पहले तक कांग्रेस यहां कुर्मी कार्ड खेलकर जीत हासिल करती रही, लेकिन 1996 के चुनाव में पहली बार भाजपा ने भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिकारी रहे डॉ. मनराखन लाल साहू पर दांव चलकर जातीय समीकरणों को हवा दी। हालांकि मनराखनलाल साहू चुनाव हार गए, लेकिन इस चुनाव के जरिए वे साहू समाज को एकजुट करने में कामयाब रहे, जिसका लाभ इसी साल फिर से हुए चुनाव में ताराचंद साहू को मिला। तब से लेकर आज तक दुर्ग लोकसभा के नतीजे जातीय समीकरणों से ही तय होते आए हैं। ज्यादातर दुर्ग संसदीय सीट पर आमने-सामने का ही मुकाबला होता आया है।

कांग्रेस को कार्यकर्ताओं का टोटा

दुर्ग पर इस बार पूरे देश की नजरें लगी है। वजह यह है कि यहां के कुल 6 चेहरे अलग-अलग क्षेत्रों से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। बड़े चेहरों और जातीय समीकरणों के मद्देनजर कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को राजनांदगांव, पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को महासमुंद और एक विधायक देवेन्द्र यादव को बिलासपुर से प्रत्याशी बनाया है। वहीं दुर्ग की पूर्व सांसद सरोज पाण्डेय को भाजपा ने कोरबा क्षेत्र से टिकट दिया है। दुर्ग लोकसभा से दोनों दलों के प्रत्याशी तो मैदान में है ही। क्योंकि सर्वाधिक कांग्रेस के नेता दीगर क्षेत्रों से लड़ रहे हैं, इसलिए उनके समर्थक भी बड़ी संख्या में उनके क्षेत्र में पहुंच गए हैं। भूपेश बघेल के प्रचार के लिए जिलेभर के कार्यकर्ता राजनांदगांव में हैं तो ताम्रध्वज साहू के समर्थक भी महासमुंद चले गए हैं। देवेन्द्र यादव के पास युवाओं की अच्छी-खासी फौज है, लेकिन उनके समर्थक भी बिलासपुर में हैं। इसके चलते दुर्ग के कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र साहू को कार्यकर्ताओं की कमी से जूझना पड़ रहा है। इसके चलते 9 विधानसभा क्षेत्रों वाले दुर्ग संसदीय क्षेत्र में उन्हें कई क्षेत्रों में नुकसान होने का अंदेशा है।

सामाजिक लामबंदी हो रही नाकाम

दुर्ग में साहू समाज की जनसंख्या कुर्मी समाज से ज्यादा है। इसी जातीय समीकरण को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने राजेन्द्र साहू के चेहरे पर दाँव लगाया है, लेकिन साहू समाज को भाजपा का परंपरागत वोटबैंक माना जाता है। अपवादों को छोड़ दें तो यह समाज सदैव भाजपा के साथ रहा है। 2014 के चुनाव में जरूर इस समाज ने कांग्रेस के पक्ष में एकजुटता दिखाई थी, लेकिन इसकी वजह ताम्रध्वज साहू का चुनाव मैदान में होना थी। इससे पहले भाजपा छोड़ने वाले ताराचंद साहू के चुनाव लड़ने पर 2009 में इस समाज के वोट बँट गए थे, जिसका लाभ भाजपा को मिला। इस बार साहू-कर्मी प्रत्याशियों के मैदान में होने के बाद अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं। बताते हैं कि कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र साहू ने साहू समाज को लामबंद करने की कोशिश की है, लेकिन संभावना जताई जा रही है कि इस बार इस समाज के वोटों का बंटवारा हो सकता है। हालांकि भाजपा के साथ भी कुछ इसी तरह की स्थितियां हैं। भूपेश बघेल के मुख्यमंत्री बनने के बाद कुर्मी समाज कांग्रेस के साथ खड़ा हो गया था। हालांकि कुर्मी प्रारम्भ से ही कांग्रेस के साथ रहे हैं।

भाजपा को मोदी लहर पर भरोसा

भले ही दुर्ग का राजनीतिक इतिहास सामाजिक समीकरणों पर निर्भर करता हो, किन्तु पूरे देश में मोदी का जलवा कायम है और इससे दुर्ग संसदीय क्षेत्र भी अछूता नहीं है। जमीनी स्तर पर आम मतदाताओं के बीच पीएम नरेन्द्र मोदी की छवि अच्छी है। केन्द्र सरकार के कामकाज की भी लोग तारीफ करते हैं। खासकर राम मंदिर और रामलला दर्शन योजना लोगों की जुबान पर है। ऐसे में दुर्ग में भी भाजपा प्रत्याशी को मोदी के नाम और काम का लाभ मिलने की गुंजाइश ज्यादा है। मोदी की गारंटी के रूप में महतारी वंदन योजना को लागू करने के बाद महिलाओं में भाजपा के प्रति विश्वास बढ़ा है। इसलिए महिला वोटर्स का रूझान भी काफी हद तक भाजपा के प्रति है। कांग्रेस और उसके प्रत्याशी कई तरह के मुद्दे जरूर उठा रहे हैं, लेकिन इसका आम मतदाताओं पर कोई असर नहीं है। साहू समाज के लोगों का साफ कहना है कि ताम्रध्वज साहू की छवि के मुकाबले वर्तमान प्रत्याशी की छवि कमतर है। इन तमाम हालातों के बावजूद दुर्ग संसदीय क्षेत्र में इस बार का मुकाबला रोचक होने की संभावना है, क्योंकि कांग्रेस प्रत्याशी भी कड़ी टक्कर देने में सक्षम है।

सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता, घेराबंदी कर 12 नक्सलियों को किया गिरफ्तार

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। यहां नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने 12 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन पर इनाम घोषित है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने सुकमा जिले से नौ और बीजापुर जिले में तीन नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि सुकमा जिले के किस्टाराम थाना क्षेत्र में नक्सली गतिविधि की सूचना के बाद सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया। दल जब पालोड़ी गांव के जंगल में पहुंचा तो वहां घेराबंदी कर दो महिला नक्सली समेत नौ नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों में से सुखराम उर्फ माड़वी आयता (35) पर आठ लाख, महिला नक्सली कलमु देवे (24) पर दो लाख तथा नक्सली सोड़ी आयता (30) पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य मामले दर्ज हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में सुरक्षाबलों ने बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोरचोली गांव के जंगल में तीन नक्सलियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र में डीआरजी और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया था। कोरचोली गांव के जंगल में सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर तीन नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों के कब्जे से टिफिन बम, कार्डेक्स वायर, बिजली का तार, डेटोनेटर, बैटरी और माओवादी संगठन के प्रचार प्रसार की सामग्री बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों पर सुरक्षाबलों की कार्रवाई लगातार जारी है। बीते दिनों एक मुठभेड़ के दौरान करीब 13 नक्सलियों को मार गिराया था। अब एक बार फिर से सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। यहां 12 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है।

21 साल बाद खत्म हुआ भगवान राम का वनवास

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भक्तों को 500 सालों का इंतजार करना पड़ा। कुछ वैसा ही सुकमा के एक गांव में भी हुआ। यहां बने प्रभु राम के मंदिर में दर्शन करने के लिए गांव वालों को 21 साल इंतजार करना पड़ा। नक्सली दंश झेल रहे सुकमा जिले में लखापाल और केरलापेंदा गांव का यह मंदिर सीआरपीएफ ने खुलवाया।

सुकमा जिले के धुर नक्सल प्रभावित लखापाल व केरलापेंदा गांव में करीब 5 दशक पहले राम मंदिर बनवाया गया था। मंदिर में प्रभु राम, सीता व लक्ष्मण की संगमरमर की मूर्तियों की स्थापना की गई. लेकिन धीरे-धीरे नक्सलवाद के बढ़ते प्रकोप के कारण 2003 में गांव में स्थित राम मंदिर में पूजा पाठ बंद करवा दिया गयाष जिसके बाद कपाट पूरी तरह से बंद रहे। 14 मार्च 2023 को लखापाल में सीआरपीएफ कैंप खुला। केरलापेंदा गांव में एरिया डॉमिनेशन के दौरान जवानों ने जीर्ण-शीर्ण अवस्था में मंदिर देखा। गांव वालों ने पूछताछ में बताया कि यह ऐतिहासिक मंदिर है, जहां पहले मेला लगता था। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि नक्सलियों ने मंदिर को बंद करवा दिया। गांव वालों ने सीआरपीएफ के जवानों से मंदिर खुलवाने का आग्रह किया। जिसके बाद जवान इस काम में लग गए। सोमवार को मंदिर के कपाट 21 साल बाद खोले गए।

मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान काफी संख्या में गांव वाले भी शामिल हुए।

साल 2003 में नक्सलियों ने मंदिर में तोड़फोड़ की और इसे बंद करवा दिया था। मंदिर में पूजा करने वाला परिवार चोरी छिपे पूजा करने लगा। कैंप लगने के बाद ग्रामीणों में काफी उत्साह आया। गांव वालों ने सीआरपीएफ से मंदिर का पुनरोद्धार का आग्रह किया। गांव वालों के साथ मिलकर सीआरपीएफ 74वीं बटालियन ने मंदिर की साफसफाई की गई। मंदिर गांव वालों को सौंप दिया गया।

बताते हैं कि साल 1970 में मंदिर की स्थापना बिहारी महाराज ने की। मंदिर बनवाने के लिए निर्माण सामग्री सुकमा जिला मुख्यालय से लाई गई। जिसे गांव के लोग लगभग 80 किलोमीटर पैदल चलकर सिर पर ढोकर गांव पहुंचे। पूरे जोश के साथ मंदिर का निर्माण करवाया गया। इस काम में गांव के सभी लोगों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। बताया जाता है कि मंदिर स्थापना के बाद पूरा क्षेत्र व पूरा गांव श्रीराम की भक्ति में लीन हो गया। सभी ने कंठी धारण किया। कंठी धारण करने के बाद मांस मदिरा का त्याग करना पड़ता है। आदिवासी इलाके में जहां पूरा गांव मांसाहारी और महुए की बनी शराब का सेवन करते हैं, वहां गांव के लगभग 95 प्रतिशत लोगों ने इसका त्याग कर दिया। नक्सलियों को ये बात रास नहीं आई, जिससे नाराज नक्सलियों ने साल 2003 में मंदिर में पूजा पाठ पर पाबंदी लगवा दी और मंदिर बंद करवा दिया।

गांव वाले बताते हैं कि इस गांव में रामनवमी और दूसरे तीज त्योहारों पर भव्य मेला लगता था, जिसमें शामिल होने अयोध्या से साधु-संत पहुंचते थे। आसपास के गांव वालों के साथ ही पूरे बस्तर से लोगों का आना होता था। नक्सलियों के दबाव के कारण पहले मेला लगना बंद हुआ फिर धीरे धीरे पूजा पाठ बंद हो गया, लेकिन अब 21 साल बाद अयोध्या राम मंदिर निर्माण के साथ ही सुकमा में बंद पड़े राम मंदिर के खुलने से गांव वाले काफी उत्साहित हैं।

ईडी की काबीलियत पर उठे सवाल

श्रीकंचनपथ

ईडी अर्थात एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट अर्थात प्रवर्तन निदेशालय। यह एक आर्थिक खुफिया एजेंसी है जो भारत में आर्थिक अपराधों से लड़ने के लिए जिम्मेदार है। यह भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग का हिस्सा है। ईडी मुख्यतः पांच प्रकार के कानूनों के तहत केस दर्ज करती है। इनमें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (फेरा), भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम और विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम (कॉफेपोसा) शामिल हैं। इनमें भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम 2018 में लाया गया। जाहिर है कि इतनी बड़ी-बड़ी जिम्मेदारियां और इतनी सारी ताकत जिस एजेंसी के पास हों, उसमें काम करने वाले भी बेहद काबिल होने चाहिए। उनकी कार्यक्षमता ऐसी होनी चाहिए कि कोई उनपर उंगली न उठा सके। पर देश में अमूमन जैसा होता है, ईडी के साथ भी वही सबकुछ हो रहा है। ईडी से पहले सीबीआई को सर्वशक्तिमान समझा जाता था। तेज तर्रार विपक्षी नेताओं के खिलाफ सीबीआई को लगा दिया जाता था। जिस सीबीआई का इंदिरा गांधी ने जमकर इस्तेमाल किया था, उसी सीबीआई ने एक दिन इंदिरा गांधी को ही गिरफ्तार कर लिया। यह घटना है 3 अक्टूबर, 1977 की। जनता पार्टी की सरकार को बने कुछ ही दिन हुए थे। इंदिरा को चुनाव प्रचार के लिए खरीदे गए जीपों में कमीशनखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें गिरफ्तार करने के बाद सीबीआई का काफिला उन्हें बड़खल रेस्ट हाउस ले जा रहा था। रास्ते में पड़ने वाला रेलवे फाटक बंद था। काफिला रुका तो हजारों समर्थकों ने काफिले को घेर लिया। इंदिरा ने इस अवसर को भी खूब भुनाया। वे गाड़ी से उतर कर सड़क पर बैठ गईं। दूसरे दिन उन्हें अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आरोपों के समर्थन में सबूत मांगे। सबूत थे नहीं। सीबीआई को फटकार मिली और इंदिरा रिहा हो गईं। इसे इतिहास में ऑपरेशन ब्लंडर कहा गया। उस समय मीडिया का वह हाल नहीं हुआ था, जो आज हुआ पड़ा है। अखबारों से लेकर पत्रिकाओं तक में सरकार के खिलाफ खूब कार्टून छपते थे। पत्रकारिता निष्पक्ष थी। सरकार की अच्छी खासी क्लास लगाई जाती थी। पर अब वो दिन नहीं रहे। मनी लांड्रिंग और घोटालों का आरोप लगाकर ईडी ऐन चुनाव से पहले नेताओं और अफसरों की गिरफ्तारी करती है। हफ्तों, महीनों उनसे पूछताछ करती है। अखबारों को बयान देती है। इधर अपराध साबित करना तो दूर, आरोप के समर्थन में दस्तावेज तक नहीं जुटा पाती। ऐसा ही फिर हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस को रद्द कर दिया है। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि मामले में कोई विधेय अपराध या अवैध गतिविधि नहीं हुई है तो मनी लॉन्ड्रिंग का मामला नहीं बनता। शिकायत आयकर अधिनियम के अपराध पर आधारित थी, ये पीएमएलए के तहत शेड्यूल अपराध नहीं है। चुनावी माहौल में शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी बेहद महत्वपूर्ण है।

संपादकीय

अभिव्यक्ति को बल

> यूट्यूबर्स या यूट्यूब पर विचार व्यक्त करने वालों के लिए यह किसी खुशखबरी से कम नहीं कि सर्वोच्च न्यायालय ने उनके पक्ष को मजबूत किया है। न्यायालय ने यथोचित फैसला लेते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़े एक मामले में यूट्यूबर ए दुरई मुरुगन सत्ताई को दी गई जमानत बहाल कर दी है।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने मुरुगन की जमानत रद्द करने के आदेश को निरस्त कर दिया है। साथ ही, यह भी स्पष्ट कर दिया है कि मुरुगन ने स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं किया है। सुनवाई के दौरान सबसे खास टिप्पणी न्यायमूर्ति ओका ने की, 'अगर चुनाव से पहले हम यूट्यूब पर आरोप लगाने वाले सभी लोगों को सलाखों के पीछे डालना शुरू कर देंगे, तो कल्पना कीजिए कि कितने लोगों को जेल होगी?' वाकई आज के समय में सरकार या राजनेताओं के विरुद्ध बोलने या सवाल उठाने वालों की संख्या कम नहीं है और अनेक यूट्यूब चैनल पर लोग सीधे आरोप लगा देते हैं, कुछ लोग तो दोषी होने का फैसला भी सुना देते हैं!

वैसे, क्या लोकतंत्र में आलोचकों का मुंह बंद किया जा सकता है? क्या कोई सरकार यूट्यूब पर प्रतिबंध लगाकर कुख्याति मोल लेना चाहेगी? आज देश में जितने भी स्मार्टफोन हैं, सभी में यूट्यूब एप अनिवार्य रूप से रहता है। शायद ही कोई ऐसा स्मार्टफोन धारक होगा, जो यूट्यूब न देखता होगा। यह बात भी बार-बार सामने आई है कि यूट्यूब ने लोगों को अभिव्यक्ति की आजादी का अवसर ही नहीं दिया है, बल्कि उसका विस्तार भी किया है। वीडियो बनाने और उसे लोगों तक पहुंचाने की इस आजादी के नकारात्मक पहलू खूब हैं, किंतु सकारात्मक पहलुओं की ही ज्यादा चर्चा होनी चाहिए। लोकतंत्र में बहुत हद तक अभिव्यक्ति की आजादी लोगों के विवेक पर ही निर्भर है। इस मामले में भी न्यायालय ने यही माना है कि मुरुगन ने विरोध प्रदर्शन और अपने विचार व्यक्त करके अपनी स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं किया है। कोई शक नहीं कि अदालत ने यथोचित उदारता का परिचय दिया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के दौर में लोगों को भी ज्यादा उदार बनने की जरूरत है। किसी वीडियो की शिकायत करते हुए सावधानी बरतना जरूरी है। इस मामले में शिकायतकर्ता द्रमुक का सदस्य है और उसने रावण नामक यूट्यूब चैनल पर याचिकाकर्ता का भाषण सुना, जिसमें मुख्यमंत्री स्टालिन का मजाक उड़ाया गया था। शिकायतकर्ता को यह बुरा लगा और पुलिस ने उसकी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज करके अक्तूबर 2021 में मुरुगन को गिरफ्तार कर लिया।

हालांकि, इस मामले का त्रासद पक्ष यह है कि यह विवाद निचले स्तर पर ही सुलझाया जा सकता था, लेकिन यह सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गया। न्याय तक पहुंचने में काफी समय लग गया। गौर कीजिए, नवंबर 2021 में मद्रास हाईकोट ने मुरुगन को जमानत दे दी थी, पर बाद में उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने जमानत रद्द कर दी थी। उसके बाद 2022 में सर्वोच्च न्यायालय ने मुरुगन को अंतरिम जमानत दी और तब से वह जमानत पर बाहर हैं। अब जाकर उन्हें राहत की सांस मिलेगी। सूचना प्रौद्योगिकी के नए दौर में यह एक ऐसा आदर्श मामला है, जिससे हम काफी कुछ सीख सकते हैं। आज निंदा में शालीनता व संतुलन का होना जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा जरूरी है, शिकायत से पहले निंदा पर समझदारी से सोचना।

नजरिया

> जब विचारधाराओं की मियाद खत्म हो चुकी हो और उनके प्रति प्रतिबद्धता यदि हमें कहीं नहीं ले जा पाती, तो वैचारिकता से तलाक ले चुकी राजनीति भी हमें कहीं नहीं ले जा सकती।

नेताजी आपकी पॉलिटिक्स क्या है

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

अगर पूछा जाए कि भाजपा की विचारधारा क्या है, तो सीधा जवाब होगा- हिंदुत्व! मगर राजनेताओं का जो काफिला स्वागत के लिए विशेष तौर पर तैयार किए गए तोरणद्वार से होता हुआ भाजपा में प्रवेश कर रहा है, उनमें से कितने वास्तव में इस विचारधारा के अनुयायी हैं? कई तो उन पार्टियों से आए हैं, जो भाजपा की 'संकीर्ण' विचारधारा की आलोचना करते नहीं थकती हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने पिछले दिनों एक टीवी चैनल से यह बात कई बार कही कि हमारी पार्टी के दरवाजे सबके लिए खुले हैं। यानी, आप आएंगे, तो प्रवेश देने से पहले आपकी सोच, आपके विचार, आपके इतिहास, आपकी पृष्ठभूमि किसी की जांच नहीं होगी। बेशक, बात सिर्फ इतनी भर ही नहीं होती कि ऐसे दरवाजे अक्सर उन्हीं लोगों के लिए खुलते हैं, जो चुनाव में या फिर पूरी राजनीति में पार्टी को कोई फायदा पहुंचाने की हैसियत रखते हैं।

वैसे यहां भारतीय जनता पार्टी का जिक्र आज के राजनीतिक ट्रैफिक रुझान को देखते हुए प्रसंगवश ही किया गया है। ऐसे रुझान समय के हिसाब से बदलते रहे हैं। देश की कम्युनिस्ट पार्टियों को छोड़ दें, तो दलबदल करने वाले नेताओं के लिए तकरीबन सभी पार्टियों के दरवाजे जरूरत के हिसाब से खुलते रहे हैं। वैसे बात दरवाजे खुलने की नहीं है, क्योंकि अक्सर ये दरवाजे बंद नहीं होते। चुनाव करीब हो, तो आने-जाने वालों का सिलसिला बढ़ जाता है, इसलिए सुर्खियों में ज्यादा रहता है। हमारे बीच कई नेता तो ऐसे हैं, जो अपने क्षेत्र के तकरीबन सभी दलों की 'विचारधारा' का स्वाद चख चुके हैं।

पिछले दिनों एक अंग्रेजी पत्रिका ने अपने मुखपृष्ठ पर सभी विचारधाराओं के ताबूत बना दिए, जिसका अर्थ हुआ कि विचारधाराएं अब मर चुकी हैं। इसके साथ ही डेनियल बेल की उस मशहूर किताब का जिक्र भी किया गया, जिसका शीर्षक था, द एंड ऑफ आइडियोलॉजी, यानी विचारधारा का अंत। 1960 के आसपास छपी इस किताब में दूसरे विश्व युद्ध के बाद की दुनिया का जिक्र करते हुए कहा गया है कि अब संसार को आगे बढ़ने के लिए राजनीतिक विचारधारा की जरूरत नहीं है। लेखक मान रहे थे कि तकनीक और तमाम अन्य विकास के बाद विचारधारा वाली जिद प्रासंगिक नहीं रह गई। कुछ हद तक वह सार-सार को गहि रहे, थोथा देई उड़ाय वाली बात कहते थे। अपने बारे में उन्होंने कहा था कि मैं आर्थिक विचारों के हिसाब से समाजवादी हूं, राजनीति के लिए उदारपंथी और संस्कृति के मामले में कट्टरपंथी।

विचारधारा की जरूरत है या नहीं, इस पर बाद में लंबी बहसें चलीं। विचारधाराओं के युग में हमने क्या पाया और क्या खोया, इस पर भी चर्चाएं हुईं। ऐसी सोच भी सामने आई, जो विचारधारा को बहुत सी समस्याओं की जड़ मानती थी। भारत में एक विमर्श चला, जिसमें कहा गया कि 'विचारधारा विष है'।

इसका यह मतलब भी नहीं कि हॉर्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डेनियल बेल जिस दुनिया में बैठकर यह अवधारणा दे रहे थे, वहां विचारधाराओं का पूरी तरह से सफाया हो गया। अमेरिका में आज भी डेमोक्रेटिक पार्टी और रिपब्लिकन पार्टी, दो पृथक विचारधाराओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसी तरह, ब्रिटेन में लेबर पार्टी, कंजर्वेटिव पार्टी और लिबरल डेमोक्रेट हैं। भले ही वे उस अर्थ में विचारधारा को दिल से लगाकर रखने वाली कट्टरपंथी पार्टियां नहीं हैं, जिस अर्थ में एक दौर के यूरोप में हुआ करती थीं।

अक्सर यह भी कहा जाता है कि विचारधारा का अंत हुआ है, वैचारिकता का नहीं। इन पार्टियों के पास वैसे यूटोपिया नहीं हैं, जैसे विचारधारा वाले युग में हुआ करते थे। मगर उनके पास बहुत सारे अपने लक्ष्य हैं, बहुत सारे समान लक्ष्य भी हैं। समान लक्ष्यों को कैसे हासिल करना है, इसको लेकर उनकी सोच अलग-अलग है। संसाधनों का इस्तेमाल कैसे किया जाए, इसको लेकर भी मतभेद है। जब तक ये मतभेद रहेंगे, उनकी वैचारिकता भी अलग-अलग ही रहेगी।

विचारधाराओं ने हमें दो और चीजें भी दी थीं- दुनिया को आदर्श बनाने के सपने और समर्पण। आदर्श को लेकर समझ और सपने तो समय के हिसाब से बदलते रहते हैं। सब जगह बदल भी गए, पर समर्पण पूरी तरह से विदा हो गया, ऐसा नहीं कहा जा सकता। कम से कम पश्चिमी लोकतंत्रों में विचारों और वैचारिकता के प्रति समर्पण आज भी कमोबेश देखा जा सकता है।

ठीक यहीं पर भारत का लोकतंत्र थोड़ा, या शायद बहुत ज्यादा अलग हो जाता है। पश्चिम के देशों में आप नहीं पाएंगे कि डेमोक्रेट प्रतिनिधि ने इस्तीफा दिया और रिपब्लिकन पार्टी में शामिल हो गया। इस समय अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति पद की रेस में आने को लेकर रिपब्लिकन पार्टी के पुराने लोगों में काफी नाराजगी की खबरें हैं, लेकिन ये नाराज लोग जुलूस बनाकर डेमोक्रेटिक पार्टी में शामिल हो जाएंगे, ऐसी कोई आशंका नहीं है।

जब हम पश्चिम में विचारधाराओं के अंत की बात करते हैं, तो वहां उसका अर्थ होता है, एक लीक पर चलने वाली पुरातन जिद्दी कट्टरता का अंत या नए युग के राजनीतिक प्रबंधन के आगे कुछ पुरानी धाराओं का अप्रासंगिक हो जाना। मगर भारत में इसका कारण राजनीति का फूहड़ अवसरवाद है। यहां विचारधाराएं तो बाद में खत्म हुईं, राजनीतिक मर्यादा, नैतिकता और प्रतिबद्धता को पहले श्रद्धांजलि दी गई। यह हमारे यहां सब जगह हो रहा है। प्रतिबद्धता जब राजपाट खोती जा रही है, तो सिंहासन काले धन और बाहुबल के हवाले होता जा रहा है। हालांकि, राजनीति में नैतिकता और प्रतिबद्धता के नाम पर समय-समय पर जिन लोगों ने सत्ता हासिल की, उनका हश्र भी हम देख ही चुके हैं।

शुरू में हमने देखा था कि अपवाद सिर्फ कम्युनिस्ट पार्टियां हैं। राजनीति के तमाम झंझावातों के बीच आज भी वे अपनी विचारधारा से चिपकी हैं, पर जिस तरह से उनकी ताकत और उनका भूगोल लगातार सिमटता जा रहा है, वह विचारधारा को लेकर कोई उम्मीद नहीं बंधाता। उनके साथ यह भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में हुआ है, पर वह एक अलग कहानी है।

इससे एक सबक तो हम ले ही सकते हैं कि जब विचारधाराओं की मियाद खत्म हो चुकी हो और उनके प्रति प्रतिबद्धता यदि हमें कहीं नहीं ले जा पाती, तो प्रतिबद्धता व वैचारिकता से तलाक ले चुकी राजनीति भी हमें कहीं नहीं ले जा सकती। भले ही राजनीतिक दल, उनके नेता और घोषणापत्र कुछ भी दावे कर लें।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

शहरों में प्रदूषण से युद्ध स्तर पर लड़ने की जरूरत

> बड़े और छोटे शहरों में वायु प्रदूषण जिंदगी और मौत का मामला बन गया है, फिर भी किसी चुनाव में यह मुद्दा नहीं बनता है। हाल ही में जारी विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 की किसे चिंता है?

इंदिरा राजारामन, वरिष्ठ अर्थशास्त्री

हाल ही में जारी विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 की किसे चिंता है? भारत में वायु प्रदूषण को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय चुनावी मुद्दा होना चाहिए था, पर दुर्भाग्य से ऐसा नहीं है। दुनिया में हर जगह की तरह भारत में भी हवा की गुणवत्ता स्थानीय विषय होती है, इसलिए इसे राज्य या स्थानीय सरकारों के हाथों में सौंप दिया जाता है। जिम्मेदारी स्पष्ट है, फिर भी दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 42 भारतीय शहरों (10 राज्यों में शामिल) का होना स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि वायु गुणवत्ता की उपेक्षा की समस्या एक व्यापक राष्ट्रीय मुद्दा है।

अगर प्रदूषण का मुद्दा राष्ट्रीय चुनावों में या किसी भी स्तर के चुनावों में सामने नहीं आता है, तो क्या इसकी वजह यह है कि मतदाताओं को इसकी परवाह नहीं है? क्या ऐसा इसलिए है, क्योंकि शहरी वायु प्रदूषण को विकास और नौकरियों के साथ अनिवार्य माना जाता है? बिना सर्वेक्षण के यह कहना नामुमकिन है, लेकिन जिन वजहों से ग्रामीण प्रवासी शहरों में अस्थायी प्रवासी बनना पसंद करते हैं और अपने परिवारों के साथ शहर नहीं जाते हैं, तो इसकी वजह उनके गांवों की साफ हवा है। बड़ी संख्या में लोग हैं, जिनको अगर गांव में ही रोजगार मिल जाए, तो वे शहर जाना पंसद नहीं करेंगे। भारतीय संविधान में भी वायु गुणवत्ता का विशेष उल्लेख नहीं किया गया है। नई दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी है, जिसने बांग्लादेश के ढाका को भी आसानी से पीछे छोड़ दिया है। एक केंद्रशासित प्रदेश के रूप में दिल्ली अपनी स्वयं की विधायिका और विधिवत निर्वाचित सरकार के बावजूद एक पूर्ण राज्य नहीं है। इसे केंद्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाते हुए चलना पड़ता है और भ्रम की स्थिति बन जाती है कि यह किसके शासन की छत्रछाया में है?

वैसे वायु प्रदूषण पर आमतौर पर केंद्र सरकार और दिल्ली राज्य सरकार के बीच उद्देश्य का कोई टकराव नहीं होना चाहिए, लेकिन दिल्ली के आसपास के राज्य अक्तूबर से दिसंबर के महीनों के दौरान खरीफ की फसल के अवशेषों को जलाने पर काबू पाने में नाकाम या अनिच्छुक रहते हैं। अकादमिक शोध पत्रों और रिपोर्टों में पेश किए गए समाधानों की भरमार के बाद भी दिल्ली की समस्या पड़ोसी राज्यों के साथ किसी समझौते तक पहुंचने में नाकाम रहती है। दिल्ली के अंदर वाहनों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने की दिशा में एकमात्र पहल बिजली या बैटरी से चलने वाली बसों की शुरुआत रही है, जो अक्सर शहर की सड़कों पर खाली चलती हैं, क्योंकि उनके मार्गों को तर्कसंगत नहीं बनाया गया है।

15वें वित्त आयोग ने वायु प्रदूषण के प्रयासों के लिए केवल दस लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों को लक्ष्य बनाया है। इन शहरों को मिलियन-प्लस चैलेंज फंड, एमसीएफ मिलता है। हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष 2023-24 में एमसीएफ सूची के सभी शहरों के लिए कुल राशि 2,431 करोड़ रुपये थी। ध्यान रहे, यहां भी दिल्ली, चंडीगढ़ और श्रीनगर, केंद्रशासित प्रदेशों के शहरों के रूप में एमसीएफ के तहत नहीं आते हैं। पटना विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट में सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में 20वें स्थान पर है। पटना एमसीएफ सूची में है, पर किसी एमसीएफ शहर को अपना 100 प्रतिशत आवंटन पाने के लिए पार्टिकुलेट मैटर में 15 प्रतिशत की कमी और 200 से कम एक्यूआई वाले दिनों की संख्या में 15 प्रतिशत की वृद्धि दिखानी चाहिए। यदि पटना 2023-24 में इन शर्तों पर उत्तीर्ण होता, तो उसे 113 करोड़ रुपये का तय बजट मिलता, जो उसके अच्छे कामों का इनाम होता। ध्यान रहे, दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बेगूसराय एमसीएफ सूची में नहीं है। उसके साथ ही 39 अन्य भारतीय शहर भी आबादी के हिसाब से बहुत छोटे हैं, हालांकि इनमें से कुछ एमसीएफ सूची का हिस्सा हो सकते थे। जाहिर है, एमसीएफ और उसकी शर्तों में सुधार होना चाहिए। गरीब आबादी वायु प्रदूषण से सबसे ज्यादा पीड़ित है। हमें अंतर-राज्यीय और राज्य-स्थानीय भागीदारी के माध्यम से अभियान मुद्रा में आकर वायु प्रदूषण को कम करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। इसकी सख्त जरूरत है, क्योंकि यह नागरिकों की जिंदगी और मौत का मामला है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

घोषणापत्र पर आरोप-प्रत्यारोप

कांग्रेस ने लोक सभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र -'न्यायपत्र' में महिला, युवा, किसान, गरीबों को न्याय की बात करते हुए 25 गारंटियों पर जोर दिया है। कांग्रेस ने 10 अलग-अलग न्याय पर आधारित कुल 344 से ज्यादा वादे किए गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने शुक्रवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। स्वाभाविक रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस के घोषणापत्र पर पहले ही दिन हमला किया। उन्होने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र से साबित हो गया है कि कांग्रेस, आज के भारत की आशाओं-आकांक्षाओं से पूरी तरह कट चुकी है।

उन्होंने कांग्रेस के घोषणापत्र को उसी सोच का द्योतक बताया जो आजादी के आंदोलन में मुस्लिम लीग की थी, लेकिन कांग्रेस ने इस पर पलटवार करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री अपने इतिहास से परिचित नहीं हैं क्योंकि वह कोई और नहीं, बल्कि जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे, जो 1940 के दशक की शुरुआत में लीग के साथ बंगाल में गठबंधन सरकार का हिस्सा थे।

खरगे ने कहा कि कांग्रेस का घोषणापत्र राजनीतिक इतिहास में न्याय के दस्तावेज के रूप में याद किया जाएगा। अलबत्ता, इसमें ओपीएस (ओल्ड पेंशन स्कीम) की बाबत कोई आस्ति नहीं है। घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष पी. चिदंबरम के मुताबिक, ओपीएस को लेकर सरकार की समिति की रिपोर्ट का इंतजार है, इसलिए इस मुद्दे को घोषणापत्र में शामिल नहीं किया गया है।

बहरहाल, घोषणापत्र, जिसे कांग्रेस ने न्यायपत्र-2024 कहा है, या संकल्पपत्र, जैसा कि भाजपा अपने घोषणापत्र को कहती है, चुनाव में दावेदारी पेश करने वाली हर पार्टी जारी करती है। पहली बार है, जब कांग्रेस ने देश में व्याप्त 'डर' की बात जोर-शोर से कही है।

पार्टी ने अपना घोषणापत्र जारी करते समय दो सवालों को जनता की तरफ उछाला है, जिनसे घोषणापत्र हवा-हवाई घोषणाओं को पुलिंदा भर न दिखे। पार्टी ने आमजन से पूछा है, क्या आज आपका जीवन 2014 की तुलना में बेहतर है, और दूसरा सवाल यह कि क्या आपका मन भयमुक्त है।

कांग्रेस के घोषणापत्र में किसानों को एमएसपी देने संबंधी वादा भी महत्त्वपूर्ण बिंदु है। यह मुद्दा किसानों के लिए बेहद संवेदनशील रहा है, और वे काफी समय से इसके लिए मांग मुखर करते रहे हैं। बहरहाल, देखा जाना है कि पक्ष-विपक्ष अपने-अपने घोषणापत्रों को कितना साकार कर पाएंगे जो हर बार चुनाव-बाद प्रायः उपेक्षित रह जाते हैं।

जमीनी हालात एनडीए के अनुकूल नहीं

हरिशंकर व्यास

लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव के इतना कुछ करने के बावजूद बिहार में अब भी उम्मीद है। जमीनी हालात एनडीए के अनुकूल नहीं दिख रहे हैं। नरेंद्र मोदी की लहर या अयोध्या की राम लहर का ज्यादा असर नहीं दिख रहा है। यही कारण है कि मतदाता किसी लहर से प्रभावित होकर या भावनात्मक मुद्दे के असर में वोट डालने की मंशा नहीं जाहिर कर रहे हैं।

ध्यान रहे पिछली बार के चुनाव में राज्य की 40 में से 39 सीटें एनडीए को मिली थीं। भाजपा 17 सीटों पर लड़ी थी और सभी सीटों पर जीती थी। एक सीट सिर्फ नीतीश की पार्टी हारी थी। रामविलास पासवान की पार्टी भी अपने कोटे की छह सीटों पर जीत गई थी। इस बार हर कोई मान रहा है कि सीटें कम होंगी। जनता दल यू को ज्यादा नुकसान की संभावना जताई जा रही है। इसका कारण यह भी है कि इस बार भाजपा को रोकने के विपक्षी अभियान की शुरुआत बिहार से ही हुई थी।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों के साथ विपक्षी गठबंधन बनाने के जब प्रयास शुरू हुए तो सबसे पहले बिहार के ही नेताओं ने कहा था कि अगर 50 सीटें कम कर दी जाएं तो मोदी सरकार बहुमत गंवा देगी। तब नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन बनाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने और उनकी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा था कि यह तो नंबर का खेल है और इस बार विपक्ष मोदी के नंबर्स कम कर देगा। उसके बाद ही आंकड़ों के खेल शुरू हुआ कि कहां से कितनी सीटें कम हो सकती हैं। नंबर्स के इस खेल में बिहार हमेशा अहम रहा। बिहार के अलावा बड़े राज्यों में कर्नाटक और महाराष्ट्र में भाजपा के नंबर्स कम होने की संभावना तभी से देखी जा रही है। भाजपा और नरेंद्र मोदी को हरा कर सत्ता से बाहर कर देने के बरक्स यह एक दूसरा नैरेटिव था कि उसकी 40-50 सीटें कम कर दी जाएं। यह नैरेटिव बनने के बाद मोदी को समझ में आया कि ऐसा हो सकता है। तभी सबसे पहले यह सिद्धांत प्रतिपादित करने वाले नीतीश कुमार को तोड़ने का प्रयास शुरू हुआ।

उनकी पार्टी के नेताओं पर दबाव डाल कर या करीबी कारोबारियों पर कार्रवाई के जरिए भाजपा कामयाब हो गई। उसने नीतीश को फिर से गठबंधन में शामिल कर लिया। लेकिन इस बार नीतीश के पाला बदलने का बहुत सकारात्मक असर नहीं दिखा। लोगों में नाराजगी दिखी। भाजपा के अपने काडर में भी नीतीश को लेकर दूरी का भाव है। तभी एनडीए में तालमेल पहले जैसा नहीं है।

भाजपा बनाम जदयू और जदयू बनाम लोजपा की लड़ाई में कई सीटों पर भितरघात है। कहीं भाजपा के सवर्ण मतदाता नीतीश के उम्मीदवारों को हराने का दम भर रहे हैं तो कहीं जदयू के कोर मतदाता इस बार चिराग पासवान से 2020 के विधानसभा चुनाव का बदला निकालना चाहते हैं तो कहीं चिराग के मतदाता नीतीश के उम्मीदवारों को हराने का संकल्प जाहिर कर रहे हैं।

असल में 2020 में चिराग पासवान ने भाजपा का समर्थन किया था और नीतीश के हर उम्मीदवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा था, जिससे नीतीश की पार्टी सिर्फ 43 सीट जीत पाई थी। बाद में नीतीश ने चिराग की पार्टी में विभाजन करा दिया था। सो, दोनों पार्टियों को कोर समर्थक एक दूसरे के खिलाफ स्टैंड लिए हुए हैं। इस बार नीतीश जब से भाजपा के साथ लौटे हैं, तब से भाजपा के इकोसिस्टम से ही उनके ऊपर सबसे ज्यादा हमले हुए हैं। बिहार के लोग यह भी देख रहे हैं कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपनी पगड़ी नहीं खोली है। उन्होंने यह पगड़ी इस संकल्प के साथ बांधी थी कि नीतीश को सत्ता से हटा कर ही इसे खोलेंगे। इससे भी भाजपा और जदयू दोनों के समर्थकों में कंफ्यूजन है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जनता भरोसा करे तो ही वादे ठीक हैं...

जब भी लोकसभा या विधानसभा के चुनाव होते हैं तो सभी राजनीतिक दल अपना घोषणापत्र जारी करते हैं। इसमें राजनीदिक दल जनता को बताते हैं कि अगर जनता उनको सत्ता सौंपती है तो वह राज्य,देश व जनता के लिए क्या क्या करेंगे। पढ़ने में तो सभी राजनीतिक दलों के घोषणापत्र अच्छे लगते हैं, सभी यह भी कहते हैं कि उनको मौका मिला तो वह सब वादे पूरे भी करेंगे। जनता सभी राजनीतिक दलों पर भरोसा नहीं करती है। वह कई दलों में एक दल का सत्ता के लिए चुनती है जो उसे सबसे भरोसे का लगता है, जिस दल का नेता उसको सबसे भरोसे का लगता है जनता उसको सत्ता सौंपती है।

यानी की घोषणा पत्र, बहुत बड़े बड़े वादे, बहुत ज्यादा वादों का मतलब यह तो होता नहीं है कि जिस राजनीतित दल ने यह वादा किया है, वह उसे पूरा भी कर देगा। राजनीतिक दलों ने आजादी के 75 सालों में जनता को कई बार बड़े बड़े वादे कर ठगा है, इसलिए जनता आजकल सभी राजनीतिक दलों के वादे पर भरोसा नहीं करती है, सभी राजनीतिक दलों के नेताओं पर भरोसा नहीं करती है।

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। उसमें पांच न्याय तथा 25 गारंटी देश की जनता को दी गई है यानी इंडी गठबंधन की सरकार बनी तो यह तमाम वादे पूरे किए जाएंगे। कांग्रेस के घोषणा पत्र में कुल 344 वादे देश की जनता से किए गए हैं। यह संख्या में ज्यादा लगते है, ऐसा लगता है कि कांग्रेस मान कर चल रही है कि वह ज्यादा से ज्यादा वादे करेगी तो देश की जनता उसे ज्याद सीटों पर जिताएगी।

यह उसका वहम भी हो सकता है क्योंकि जनता ज्यादा वादों करने वाले यकीन नही करती है क्योंकि वह जानती है कि ज्यादा वादे ज्यादा वोट के लिए,, ज्यादा सीट जीतने के लिए किए जाते हैं, जीतने के बाद राजनीतिक दल पूरे नहीं करते हैं। वादे बहुत ज्यादा हो तो उसे पूरा करने में ज्यादा पैसा लगता है,इसलिए वह किए जाते हैं लेकिन पूरे नहीं किए जाते हैं। कांग्रेस ने आजादी के बाद कई चुनावों में कई वादे किए लेकिन पूरे कहां किए है।

छत्तीसगढ़ के पिछले चुनाव में कांग्रेस ने जनता से 30 से ज्यादा वादे किए थे, पांच साल में इनमें से कई वादे पूरे नहीं किए। कांग्रेस जब तीस से ज्यादा वादे पांच साल में पूरे नहीं कर पाती है तो वह पांच साल में केंद्र में आने पर 344 वादे कैसे पूर कर सकती है।क्योंकि कांग्रेस साल में छह वादे पूरे नहीं कर सकती तो वह साल में 38 वदे कैसे पूरे कर सकती है।

कांग्रेस का घोषणापत्र जिसने भी बनाया है उसने सभी को खुश करने के लिये बनाया है, सभी का वोट लेने के लिए बनाया है। इससे सभी का वोट मिलने वाला नहीं है क्योंकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी हो या कांग्रेस पार्टी हो उनकी छबि सभी वादे पूरे करने वाले नेता व पार्टी की नहीं है। जनता उन पर इतना भरोसा तो नहीं करतीहै कि कांग्रेस 344 वादे करे और जनता उस पर यकीन कर ले। जनता इसलिए भी कांग्रेस के वादे पर भरोसा नहीं करेगी कि पिछली बार भी तो कांग्रेस ने कई बड़े वादे किए थे उस पर जनता ने भरोसा नहीं किया था।

एक वादा था देश के गरीब परिवारों को हर माह छह हजार रुपए देना। यानी साल का 76 हजार रुपए देना। वही पीएम मोदी देश के किसानों को हर साल छह हजार रुपए देने की घोषणा की तो जनता ने उन पर भरोसा किया। कहां साल का छह हजार रुपए और कहां साल का76 हजार रुपए। जनता ने पैसे तो नहीं देखा, नेता को देखा,पार्टी को देखा और उस पर भरोसा किया। जनता पीएम मोदी व भाजपा पर भरोसा करती है, इसलिए उसे दो बार लोकसभा चुनाव जिता चुकी है।

राहुल गांधी व कांग्रेस सोचती है कि जनता को 76 हजार रुपए की जगह एक लाक देने का वादा करने पर जनता उन पर भरोसा कर लेगी। यह उनका वहम है। जनता चुनाव में उनका वहम फिर एक बार दूर कर देगी। भाजपा से ज्यादा देने की घोषणा तो राहुल गांधी व कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में भी की थी लेकिन जनता ने राहुल गांधी व भूपेश बघेल पर भरोसा नहीं किया। भाजपा व मोदी पर भरोसा किया। सरकार बनने के बाद साय सरकार जनता के भरोसे को कायम रखने में सफल रही है इससे छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव में फिर एक बार भाजपा का परचम ही लहरायेगा। मुख्यमंत्री साय भी आने वाले दिनों में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की तरह राज्य के साथ ही देश के मजबूत व लोकप्रिय सीएम साबित होंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

महासमुंद लोकसभा क्षेत्र में 17 अभ्यर्थी मैदान में, प्रत्याशियों को प्रतीक चिन्ह आबंटित

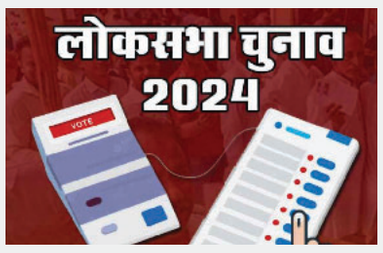

महासमुंद (आरएनएस)। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत महासमुंद लोकसभा क्षेत्र-09 के लिए प्रत्याशियों के नाम तय हो चुके हैं। स्क्रूटनी एवं नाम वापसी के उपरांत कुल 17 अभ्यर्थी अंतिम रूप से निर्वाचन में हिस्सा लेंगे। कलेक्टर एवं रिटर्निंग अधिकारी श्री प्रभात मलिक के द्वारा नामों की घोषणा के साथ ही सभी अभ्यर्थियों को प्रतीक चिन्ह भी आबंटित किए गए हैं। आज नाम वापसी के अंतिम दिन धनसिंग कोसरिया ने अपनी अभ्यर्थिता वापस लिया। रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय पार्टी और राज्य राजनीतिक दलों से वैध रूप से नामांकित अभ्यर्थियों में ताम्रध्वज साहू इंडियन नेशनल कांग्रेस को हाथ, बसन्त सिन्हा बहुजन समाज पार्टी को हाथी, श्रीमती रूपकुमारी चौधरी भारतीय जनता पार्टी को कमल प्रतीक आबंटित किया गया। रजिस्ट्रीकृत राजनीतिक दलों के अभ्यर्थियों में गणेश राम ध्रुव हमर राज पार्टी को बाल्टी, चम्पालाल पटेल गुरूजी धरती पकड़ राइट टू रिकॉल को प्रेशर कुकर, नारद प्रसाद निषाद शक्ति सेना (भारत देश) को गैस सिलेण्डर, नितेश कुमार रात्रे सुन्दर समाज पार्टी को कांच का गिलास, फरीद कुरैशी गोड़वाना गणतंत्र पार्टी को आरी, डॉ. विरेन्द्र चौधरी भारतीय शक्ति चेतना पार्टी को बांसुरी, अन्य अभ्यर्थियों में ईश्वर मारकाण्डे निर्दलीय को तरबूज, कालिया प्रसाद सेठ निर्दलीय को सीसीटीवी कैमरा, महेश स्वर्ण निर्दलीय को क्रेन, मुकेश कुमार अग्रवाल निर्दलीय को कम्प्यूटर, रेखराम बाघ निर्दलीय को पानी का जहाज, सुखनंदन देशकर निर्दलीय को हरी मिर्च, प्रोफेसर सुरेश साहू निर्दलीय को ऑटो रिक्शा एवं संतोष दारचंद बंजारे निर्दलीय को गन्ना किसान प्रतीक आबंटित किया गया है। उल्लेखनीय है कि महासमुंद लोकसभा सीट के लिए शुक्रवार 26 अप्रैल को मतदान होगा तथा प्राप्त मतों की गणना मंगलवार 04 जून को की जाएगी।

कैट दे रहा युवा व्यापारियों को पब्लिक स्पीकिंग एवं लीडरशिप ट्रेनिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की युवा इकाई युवा कैट छत्तीसगढ़ ने हर माह होने वाली युवाओं की बिज़नेस मीट का आयोजन किया गया। यह महत्वपूर्ण आयोजन चेम्बर भवन, बाम्बे मार्केट में संपन्न हुआ, इस महत्वपूर्ण बैठक में जहां राजधानी के युवा व्यापारियों ने उत्साह से भाग लिया इस पब्लिक स्पीकिंग एवं लीडरशिप ट्रेनिंग में मुख्य वक्ता के तौर पर ख्याति प्राप्त मोटिवेशनल स्पीकर दिनेश अग्रवाल ने युवा व्यापारियों को पब्लिक स्पीकिंग और लीडरशिप स्किल्स के बारे में बारीकी से अवगत कराया।

युवा कैट के प्रदेश अध्यक्ष अवनीत सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष दीपक विधानी, महामंत्री अमर धिंगानी, कार्यकारी महामंत्री विक्रांत राठौर, कोषाध्यक्ष विजय पटेल ने बताया कि यह सेशन बड़ी संख्या में युवा व्यापारियों ने अच्छे से समझा और सराहा, हर व्यापार क्षेत्र में कैसे बात करने की शैली को अपनाकर अपना व्यापार और अपना स्किल डवलप कर मंच में भी पब्लिक स्पीच दे सकते है। उपस्थित युवाओं ने इस संगठन के परिवार में और नए युवा व्यापारियों को जोड़ने का संकल्प लिया ।

इस आयोजन में अवनीत सिंह, दीपक विधानी, विजय पटेल, विक्रांत राठौर, अमित मिनोचा, भास्कर साहू, रौनक पटेल, गिरिष पटेल, दिपेष पटेल, रमेष पटेल, हनीष एम. चैहान, संदीप गुप्ता, अमित गुप्ता, सामर्थ अग्रवाल, निखिल कुमार, रूपेष पटेल, रमेष खोडियार, राजेष बिहानी, दीपेष लालका, प्रकाष जोषी, हरदीप सिंह, सुरेष वासवानी, हरप्रीत सिंह, रतनदीप सिंह, हरसुख पटेल, नरेष माखीजा, हरीष विरानी, पारस दामानी, लोकेष सोढा, सतीष अग्रवाल, प्रकाष माखीजा, मोनेष साहू, अनिल अग्रवाल एवं सोपान अग्रवाल आदि बड़ी संख्या में युवा व्यापारी उपस्थित हुए।

ग़ौरतलब है कि युवा कैट लगातार युवा व्यापारियों के लिए अनेक कार्यशाला का आयोजन कर रहा जिससे युवाओं में प्रगति, उद्यमिता और व्यापारियों के साथ अवगत होने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। यह संगठन नवाचारों की ओर अग्रसर होता है और युवा उद्यमियों को प्रभावशाली नेतृत्व और व्यक्तिगत विकास के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने का संकल्प रखता है। युवा कैट की बिजनेस मीटिंग विगत 18 महीनो से लगातार प्रति माह हो रही है। जिसमें युवा व्यापारियों के द्वारा आपस में व्यापार का आदान-प्रदान करके एक दूसरे के व्यवसाय को समृद्ध किया जा रहा है इस मीटिंग के द्वारा प्रतिमाह युवा कैट युवा व्यवसायियो को जोड़ रहे हैं। और आपस में व्यापार करके एक दूसरे का व्यवसाय बढ़ा रहे हैं।

मोटिवेशनल स्पीकर दिनेश अग्रवाल ने कहा कि हम युवा कैट के सदस्यों को उनके प्रगतिशील कार्यों के लिए बधाई देते हैं और आगामी आयोजनों में उनकी सफ्लता की कामना करते हैं। हम समुदाय के एक-दूसरे के समर्थन में मिलकर साझा करें और युवा व्यापारियों की प्रगति और विकास को सुनिश्चित करने के लिए समर्पित रहेंगे।

शत प्रतिशत मतदान के लिए कर रहे जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में शत प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को पूरा करने के लिए कार्य योजना बनाकर लगातार स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदान के लिए जागरूक किया जा रहा है।

जिला पंचायत सीईओ सुरूचि सिंह के निर्देशन में बिहान स्वसहायता समूह की महिलाएं गांव-गांव में ग्राम संगठन एवं संकुल संगठन स्तर पर शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए शपथ ग्रहण, रैली, मानव श्रृंखला, रंगोली, मेहंदी, चित्रकला, खेलकूद, नारा लेखन सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर ग्रामीणों को जागरूक कर रहीं है। महिलाएं विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण मतदाताओं को मतदान दिवस 26 अप्रैल को मतदान केन्द्र पहुंचकर मताधिकार का उपयोग करने के लिए प्रेरित कर रही है।

अविभाजित राजनांदगांव जिले के सभी विकासखंडों में विगत 7 दिवस में ग्राम शिवनीकला, घोटिया, धारा, आलीवारा, सलटिकरी, धोबेदंड, अलकन्हार, हाथीकन्हार, चिल्हाटी, हालमकोड़ो, दनगढ़, गैंदाटोला, विचारपुर, जोशीलमती, अछोली, जंगलपुर, कंगलूटोला, कु. भाठागांव, रूपाकाठी, पेंड्रीकला, आल्हानवागांव, बोगाटोला, कोकपुर, आसरा, माथलडबरी, बरगांव, चांदो, बड़भूम, नवागांव, चिचोला, तोतलभर्री, सहसपुर सहित 100 से अधिक ग्रामों में अब तक लगभग 12 हजार से अधिक स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम संगठन स्तर पर वोट वचन का शपथ लिया गया है और शपथ लेने का कार्य निरंतर जारी है। महिला स्वसहायता समूह की सदस्यों द्वारा 26 अप्रैल 2024 को लोकसभा निर्वाचन में वोट देकर अपने मताधिकार का उपयोग करने, साथ ही अपने परिवार, रिश्तेदारों एवं पड़ोसियों को शत-प्रतिशत वोट डालने के लिए प्रेरित करने का वोट वचन का शपथ ले रहीं है। महिलाओं द्वारा ग्रामीणों को लोकतंत्र में मतदान के अधिकार तथा मतदान का उपयोग करने के संबंध में ग्रामीणों को प्रेरित और शत प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक किया जा रहा है।

मतदाता जागरूकता के लिए युवाओं ने लगाई दौड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव । लोकसभा चुनावों में जिले के अधिक से अधिक मतादाताओं की सहभागिता के लिए कोंडागांव जिला प्रशासन द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में सोमवार को जिला मुख्यालय में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में डीएनके मैदान से लेकर जिला कलेक्टोरेट तक मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अजय उरांव ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया। इस दौरान अग्निवीर का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा, महिला, पुरुष सहित सभी ने मतदाता जागरूकता के तहत दौड़ लगायी। इसके साथ ही जिला कलेक्टोरेट में मतदान की शपथ भी ली।

इस अवसर पर अनुविभागीय पुलिस अधिकारी रूपेश कुमार, जिला रोजगार अधिकारी पवन नेताम, अखिल भूतपूर्व सैनिक परिषद कोंडागांव के संयोजक सुब्रत शाहा, अध्यक्ष सूरज यादव, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक विनय सिंह सहित बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी एवं युवा उपस्थित थे।

सुगमता पूर्ण मतदान के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करें: कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। लोकसभा निर्वाचन 2024 की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री वसंत ने निर्देशित किया कि जिले में सुगमता पूर्वक मतदान के लिए गुणवत्ता पूर्ण प्रशिक्षण का होना आवश्यक है। उन्होंने मतदान दलों को ईवीएम का हैण्ड्स ऑन कराने तथा महिला कर्मचारियों को अतिरिक्त प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कोरबा विधानसभा अंतर्गत मतदान केंद्रों में सहभागी बनने वाली महिला मतदान दलों को विशेष रूप से प्रशिक्षित करने तथा उनके शंकाओं का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि मतदान दलों को मतदान के दिन किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े इसके लिए उन्हें हर पहलूओं से अवगत कराते हुए बेहतर प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान मतदान दलों के सवालों का सही-सही समाधान करते हुए निर्वाचन की गतिविधियों को चरणबद्ध तरीके से संपन्न कराने की जानकारी दी जानी चाहिए। मतदान दलों को सामग्री वितरण एवं सामग्री वापसी के दौरान सावधानी बरतने के संबंध में भी जानकारी देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने प्रशिक्षण के संबंध में आवश्यक व्यवस्था हेतु जिला पंचायत सीईओ को निर्देशित किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ संबित मिश्रा, अपर कलेक्टर दिनेश कुमार नाग, जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. एम एम जोशी, संयुक्त कलेक्टर मनोज कुमार, डिप्टी कलेक्टर विकास चौधरी आदि उपस्थित थे।

प्रशिक्षण में जिला मास्टर ट्रेनर्स डॉ. एम.एम.जोशी ने अधिकारियों को ईव्हीएम, वीवीपेट मशीनों के संचालन, विभिन्न गतिविधियों, बरती जानी वाली सावधानियों के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इस दौरान मशीनों में टैग लगाने, संचालन करने, वास्तविक मतदान कराने आदि सभी पहलुओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

संगठन व जनता के बलबूते कांग्रेस लड़ रही चुनाव : डॉ. महंत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा । छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कांग्रेस व अनुषंगी संगठनों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की संगठनात्मक बैठक ली। बैठक में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्य कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डॉ. महंत ने कहा कि हमें अपने सभी ऊर्जावान और कर्मठ कार्यकर्ताओं पर पूरा भरोसा है।

लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए यह चुनाव कांग्रेस लड़ रही है। कांग्रेस हमेशा संगठन के निर्देश पर काम करती आई है और हम संगठन व कोरबा संसदीय क्षेत्र की जनता के बलबूते चुनाव में उतरे हैं। यह चुनाव कोई अकेले चरणदास महंत या ज्योत्सना महंत नहीं लड़ रही बल्कि कांग्रेस पार्टी का, युवा कांग्रेस का, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन का और कांग्रेस से जुड़े सभी संगठनों का एक-एक कार्यकर्ता लड़ रहा है। डॉ. महंत ने कहा कि चुनाव में कई तरह के हालात निर्मित होते हैं लेकिन हमें अपने खिलाफ के हालातों से डरना नहीं है बल्कि उनका डटकर मुकाबला करना है क्योंकि हम अपने लिए नहीं जनता के लिए, देश के लिए, अपने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की पैराशूट प्रत्याशी द्वारा किए जा रहे तोड़-फोड़ से हम कतई हताश नहीं हैं, हमारी अपनी शक्ति संगठन की शक्ति है। हमें लोगों के बीच जाकर, हर घर जाकर कांग्रेस के न्याय पत्र के 5 न्याय और 25 गारंटी को विस्तार से बताना है। डॉ. महंत ने कहा कि कांग्रेस की सशक्त और मजबूत टीम और जनता का स्नेह एवं कांग्रेस पर भरोसा हमें जीत दिलाएगा और प्रचंड मतों से विजय हासिल होगी। संगठनात्मक बैठक में जिला शहर कांग्रेस, कांग्रेस पार्षद, पूर्व पार्षद एवं प्रत्याशी, जिला शहर एनएसयूआई, जिला ग्रामीण एनएसयूआई, जिला आईटी सेल के पदाधिकारियों के अलावा प्रबंध कार्यकारिणी के लोग उपस्थित थे।

नव भाजपा प्रवेशियों की ग्रामीण मंडलों की हुई बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकसभा चुनाव के शंखनाद के बाद से ही कांग्रेस सहित अन्य दलों के नेताओं द्वारा भाजपा का दामन थामने का सिलसिला लगातार जारी ऐसे में नव प्रवेशियो को भाजपा की रीति नीति से अवगत कराने और चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी की कार्यप्रणाली की बारीकियों से अवगत कराने रायपुर ग्रामीण भाजपा के प्रभारी सुभाष तिवारी और विधानसभा समन्वयक लीलाधर चंद्राकर ने नव प्रवेशी कार्यकर्ताओ की बैठक ली बैठक में हालिया दिनों में भाजपा का दामन थामने वाले अन्य दलों से आए पूर्व विधायक, जनपद सदस्य, पार्षद और जिला पदाधिकारी शामिल हुए ।

बैठक को संबोधित करते हुए रायपुर ग्रामीण विधानसभा के प्रभारी सुभाष तिवारी उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा की सर्वप्रथम

आप सभी नव प्रवेशियों का पुन: एक बार स्वागत है आज आहूत बैठक का मुख्य उद्देश्य आप सभी से सीधा संवाद स्थापित कर लोकसभा चुनाव में आपकी उपयोगिता अनुसार कार्य विभाजन करना है उन्होंने कहा की पूर्व में आप जिस किसी भी राजनीतिक दल में रहे हों उन सभी के कार्य करने का तरीका और भाजपा का तरीका अलग अलग है भाजपा की रीति- नीति , विचारधारा कार्यप्रणाली सब अलग है भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है जिसमे सर्वोच्च स्थान सदैव कार्यकर्ता का ही रहता है भाजपा में पद नही दायित्व होता है उदाहरण के लिए मैं सुभाष तिवारी को रायपुर ग्रामीण के प्रभारी का दायित्व है ।

भाजपा की विचार धारा के मूल में राष्ट्रवाद , अंत्योदय और जनहित सर्वोपरि है और आप सभी को। इन्ही मूल भावनाओ के साथ जनता के बीच जाकर भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील करना है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 400 पार के लक्ष्य में अपना भरपूर योगदान देकर ऐतिहासिक परिणाम लाने में अहम योगदान देना है हमारे लोकसभा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ऐसे जन नेता हैं जो केवल रायपुर ही नही अपितु पूरे प्रदेश के चहेते नेता है और हमर सौभाग है की वे इस बार रायपुर लोकसभा का नेतृत्व करेंगे हम सभी को बृजमोहन अग्रवाल की जीत के साथ एक नया कीर्तिमान स्थापित करना है।

रायपुर ग्रामीण विधानसभा समन्वयक लीला धर चंद्राकर ने कहा की उक्त बैठक में सभी नवप्रवेशी कार्यकर्ताओं को नव प्रवेशी सदस्यों को अब विधानसभा चुनाव में काम करने के लिए प्रेरित किया उनसे आग्रह किया कि वह अपने बूथ अध्यक्षों से संपर्क कर दो सिस्टम में अपना काम प्रारंभ करें जहां पर वार्ड के अंदर झंडा लगाना वॉल लाइटिंग करना जनसंपर्क करना छोटी-छोटी बैठकर करना यह प्रमुख रूप से इसमें शामिल है सभी को कहा गया क्योंकि आपने भाजपा में आप अभी शामिल हुए हैं।

रायपुर के माना कैंप और बिरगांव मंडल में संपन्न बैठक में विशेष रूप से मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश देवांगन पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष , माना मंडल अध्यक्ष रविंद्र ठाकुर , बिरागांव मंडल अध्यक्ष होरीलाल देवांगन , नायडू दादा राधेश्याम देवांगन भीखम देवांगन योगेंद्र वर्मा समेत सभी प्रमुख नेता लोग शामिल थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

सालेम की रिकिशा ने तैराकी प्रतियोगिता में जीता गोल्ड

रायपुर (ए.)। राजकुमार कॉलेज में 8 अप्रैल को सीआईएससी रिजनल स्विमिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सालेम इंग्लिश स्कूल, सेंट जेवियर, सेंट मैरी, सेंट जेवियर दमोह, कार्मल कान्वेंट, रायगढ़, तथा रेडियन वे के 75 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें सालेम इंग्लिश स्कूल की कक्षा दसवीं की मेघावी छात्रा कुमारी रिकिशा यादव ने 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं उन्हें गोल्ड मैडल देकर सम्मानित किया गया।

डॉ. भीमराम अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह का आयोजन 14 को

रायपुर (ए.)। डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर सार्वजनिक समारोह समिति 14 को विशाल आयोजन डॉ. अंबेडकर चौक में करेगी। समारोह के मुख्य अतिथि छग के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, अरूण साव केबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम, ओपी चौधरी, दयाल दास बघेल, राजेश मूणत, मोतीलाल साहू, विधायक पुरंदर मिश्रा पूर्व विधायक विकास उपाध्याय महापौर एजाज ढेबर, विशिष्ठ अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में बीएस जागृत प्रकाश रामटेके, दिलीप वासनिकर, संयोजक होंगे अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष शशांक ढाबरे करेंगे। उक्त जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में वार्ताकारों ने दी। शशांक ने पत्रकारवार्ता में बताया कि क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 11 अप्रैल तक होगा। बैडमिंटन प्रतियोगिता 6 से 8 अप्रेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम 9 अप्रैल, धम्म देशना 10 अप्रैल, महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती 11 अप्रैल, महिला सम्मलेन 12 अप्रैल बाईक रैली 13 अप्रैल सुबह 11 युवा सम्मेलन शाम 6 बजे एवं 14 अप्रैल को मुख्य कार्यक्र म सुबह 9 से रात 10 बजे तक चलेंगे।

राजनैतिक दलों के मध्य हुआ ईवीएम एवं वीवी पैट का रेण्डमाईजेशन

रायपुर (ए.)। लोकसभा निर्वाचन हेतु रायपुर ज़िला के लिए राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष ईवीएम एवं वीवी पैट मशीनों का आज रेडक्रॉस सभाकक्ष में प्रथम रेण्डमाईजेशन किया गया। रेण्डमाईजेशन के पश्चात फाईनालाईज्ड किए गये ईवीएम बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट, वीवी पैट मशीन में उल्लेख आईडी नंबर सहित सूची राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया हेतु सभी दलों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि वे सूची के आधार पर ईवीएम बैलेट एवं कंट्रोल यूनिट, वीवी पैट का मिलान स्ट्रॉंग रूम में विधानसभावार रखते समय कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि विधानसभावार मशीनों का प्रथम रेण्डमाईजेशन कर लिया गया है। रेण्डमाईजेशन पश्चात मशीनों को स्ट्रॉंग रूम में विधानसभा के अनुसार सुरक्षित रखवाया जाएगा। ग़ौरतलब है कि राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष ईवीएम एवं वीवी पैट मशीनों का रेण्डमाईजेशन किया जाता है। रेण्डमाईजेशन की प्रक्रिया में रायपुर ज़िले के अंतर्गत कुल 1797 मतदान केंद्र है। इस से 20 प्रतिशत बैलेट एवं कंट्रोल यूनिट तथा 30 प्रतिशत वीवी पैट मशीनों का चयन किया गया।356 बैलेट यूनिट, 356 कंट्रोल यूनिट और 535 वीवी पैट एफएलसी ओके मशीनों का रेण्डमाईजेशन किया गया। मतदान केंद्रों में ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों का उपयोग करने के पहले पारदर्शिता के लिए विभिन्न चरणों में मशीनों का रेंडमाइजेशन किया जाता है। आज मशीनों का प्रथम रेंडमाइजेशन भारत निर्वाचन आयोग के ऑनलाइन सॉफ्टवेयर में किया गया। रेंडमाइजेशन के बाद इसका प्रिंट निकालकर सभी राजनीतिक दलों के दाधिकारियों से हस्ताक्षर कराने के बाद उन्हे इसकी प्रतिया प्रदान की गई।इस अवसर पर ज़िला पंचायत सीईओ विश्वदीप , उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमशंकर बंदे, अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

23 लोगों ने किया था नामांकन दाखिल, जांच के दौरान 4 लोगों का नामांकन हुआ निरस्त

राजनांदगांवः 15 प्रत्याशी चुनावी मैदान में, 4 प्रत्याशियों ने वापस लिया नामांकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकसभा चुनाव में दूसरे चरण के मतदान में शामिल हाई प्रोफाइल सीट राजनांदगांव में सोमवार को 4 प्रत्याशियों ने चुनाव मैदान से हटने का फैसला किया है। नाम वापसी के अंतिम दिन सोमवार को 4 लोगों ने अपना नाम वापस ले लिया है। इस सीट से कांग्रेस की तरफ से पूर्व सीएम भूपेश बघेल चुनावी मैदान में हैं।

वहीं भाजपा ने एक बार फिर अपने वर्तमान सांसद संतोष पांडेय को मैदान में उतारा है। वहीं महासमुंद सीट में भी एक प्रत्याशी ने अपना नाम वापस ले लिया है। दूसरे चरण की तीसरी सीट कांकेर से नामांकन दाखिल करने वाले किसी भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया है। इस सीट पर अब 9 लोगों के बीच मुकाबला होगा। इसमें बीजेपी के भोजराज नाग और कांग्रेस के बीरेश ठाकुर के नाम शामिल हैं। नाम वापसी खत्म होने के बाद अब राजनांदगांव में 15 प्रत्याशी चुनावी मैदान में रह गए हैं। वहां कुल 23 लोगों ने नामांकन दाखिल किया था। जांच के दौरान 4 लोगों के नामांकन निरस्त कर दिए गए थे और सोमवार 4 लोगों ने नाम वापस ले लिया। वहीं अब राजनांदगांव के चुनावी रण में कुल 15 लोग बच गए हैं। जिनमें 13 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं।

महासमुंद संसदीय सीट से 24 लोगों ने नामांकन दाखिल किया था। जिसमें जांच के दौरान 6 लोगों के नामांकन रिजेक्ट कर दिए गए थे। सोमवार को एक प्रत्याशी ने नाम वापस ले लिया है और अब वहां 17 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें कांग्रेस की तरफ से पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू और बीजेपी की तरफ से रुप कुमार चौधरी मैदान में हैं। जिनमें 1 महिला और 17 पुरुष शामिल हैं। कांकेर में 10 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया था। इनमें से एक का नामांकन रिजेक्ट हो गया। कांकेर सीट से किसी ने नाम वापस नहीं लिया है। ऐसे में वहां 9 लोग मैदान में रह गए हैं और सभी प्रत्याशी पुरुष हैं। राजनांदगांव में श्रीकांत कसेर, रेखचंद, महेंद्र कुमार साहू और रमेश यादव ने नाम वापिस ले लिया है।

कांकेर में एक ही नाम के दो प्रत्याशी मैदान में

कांकेर संसदीय सीट से एक ही नाम के दो प्रत्याशी मैदान में हैं। बीजेपी ने इस सीट से भोजराज नाग को प्रत्याशी बनाया है। इस सीट से भोजराज ने नामांकन जमा किया है, वहीं दूसरे का पूरा नाम भोजराम मंडावी है। उन्होंने राष्ट्रीय जनसभा पार्टी के प्रत्याशी के रुप में नामांकन जमा किया है। कांकेर सीट से नामांकन जमा करने वालों में तिलक राम मरकाम- बहुजन समाज पार्टी, राजा राम नाग- भारतीय संस्कार पार्टी, जीवन लाल- सर्व आदि दल, सुखचंदन नेताम- गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, थाकेश माहला- भारतीय शक्ति चेतना पार्टी, बीरेश ठाकुर- कांग्रेस और सोन सिंह- आंबेडकर राईट पार्टी ऑफ इंडिया शामिल हैं।

कई प्रत्याशियों के नाम हुए रिजेक्ट

राजनांदगांव और महासमुंद से एक प्रत्याशी ने 2 सीटों नामांकन जमा किया है। इनका नाम नारद प्रसाद निषाद है और उन्होंने शक्ति सेना पार्टी की तरफ से नामांकन फर्म जमा किया है। चुनाव आयोग को दिए शपथ पत्र में खुद को कृषि मजदूर बताया है और इनकी पत्नी भी कृषि मजदूर हैं। यहां दिलचस्प बात यह है कि, राजनांदगांव और महासमुंद लोकसभा सीट से ताल ठोंक रहे नारद प्रसाद रायपुर के रहने वाले हैं। उन्होंने शपथ पत्र में अपना पता पठारीडीह धरसींवा बताया है। दूसरे चरण की 3 सीटों पर 8 प्रत्याशियों के नामाकंन रिजेक्ट हुआ था। इनमें गोंगपा के नरेश मोटघरे भी शामिल हैं। इनके साथ दाऊ सिंह चौहान, गजेंद्र साहू और सच्चिदानंद कौशिक का भी नामांकन रिजेक्ट हुआ है और तीनों निर्दलीय प्रत्याशी हैं। इसी तरह महासमुंद सीट से चंपालाल पटेल राइट टू रिकॉल पार्टी, मानिक और संतोष बंजारे का नामांकन रिजेक्ट हुआ है।

तेरहवां दीक्षांत समारोह कल

डॉ. रेड्डीस लेबोरिटीज के एमडी होंगे मुख्य अतिथि, 643 स्टूडेंट्स को मिलेगी डिग्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) का 13वां दीक्षांत समारोह 10 अप्रैल को आयोजित है। कैंपस में दोपहर 3 बजे से आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज के को-चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर जीवी प्रसाद होंगे। समारोह की अध्यक्षता बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरपर्सन पुनीत डालमिया करेंगे। इस दीक्षांत को इसलिए भी याद रखा जाएगा क्योंकि वे छात्र भी डिग्री लेने आएंगे जो कोविड के दौरान नहीं आए थे। बात दें कि 29 अक्टूबर 2021 को संस्थान ने अपना नौवां और दसवां दीक्षांत ऑनलाइन आयोजित किया था। 18-20 और 19-21 के 124 एलुमिनाई डिग्री लेने आ रहे हैं। इसके अलावा पीजीपी 2022-24 के 298और ईपीजीपी के 184 छात्रों को डिग्रियां दी जाएंगी। साथ ही गोल्ड मेडल भी दिए जाएंगे। कार्यक्रम शबरी मैदान में 3 बजे से शुरू होगा।

एलुमिनाई प्रसाद राठी, अभिषेक गोनकर और मोनिका बिरुआ ने बातचीत में कहा कि आईआईएम ने हमें अनमोल खुशी दी है। हम कॉन्वोकेशन में आने के लिए काफी

एक्साइटेड हैं। डायरेक्टर सर का आभार प्रकट करते हुए कहा कि उन्होंने इतनी अच्छी पहल की।

यह होगा ड्रेस कोड

ब्वॉयज के लिए फॉर्मल शर्ट पैंट और गर्ल्स के लिए व्हाइट/क्रीम साड़ी। इसमें गोल्डन बॉर्डर होगा। छात्रों से कहा गया है कि वे ढाई बजे ही अपनी सीट में पहुंच जाएं। कार्यक्रम में बच्चों को लाने मना किया गया है।

गौरव का पल होता है डिग्री लेना

किसी भी छात्र के लिए दीक्षांत में शामिल होकर डिग्री लेना गौरव का पल होता है। हम चाहते थे कि कोविड टाइम में जिन्हें यह खुशी नहीं मिल पाई थी उन्हें मौका मिले। इसलिए इस साल के दीक्षांत में उन्हें भी आमंत्रित किया गया है।

14 अप्रैल तक मूल्यांकन होगा पूरा

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल 10 मई तक 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के नतीजे जारी कर सकती है। बोर्ड परीक्षाओं के खत्म होने के बाद मंडल चेयरमैन रेणु पिल्लै वीडियो कॉन्फ्रेंस कर केन्द्राध्यक्षों को 14 अप्रैल तक मूल्यांकन का काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इस बार 10वीं में 3 लाख 42 हजार 511 छात्र और 12वीं में 2 लाख 54 हजार 906 छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया है। 10वीं और 12वीं के लिए अब तक लगभग 85 से 90 फीसदी मूल्यांकन का काम पूरा हो चुका है। मूल्यांकन पूरा होते ही रिजल्ट जारी करने की तैयारियां पूरी की जाएंगी। उम्मीद जताई जा रही है कि हर हाल में 10 मई के पहले दसवीं और बारहवीं के नतीजे घोषित किए जाएंगे। मूल्यांकन दो चरणों में शुरू हुआ था। पहले चरण में 23 मार्च और दूसरे चरण में 31 मार्च को मूल्यांकन किया गया, जो अब भी जारी है। कुल मिलाकर 36 केन्द्र बनाए गए हैं। 32 लाख उत्तर पुस्तिकाओं की जांच का काम चल रहा है। मूल्यांकन में करीब 18 हजार शिक्षक लगे हुए हैं।

रायपुर (ए.)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला तिलक नगर गुढ़ियारी में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत न्योता भोजन एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शिक्षकों एवं प्रबुद्ध जनों के सहयोग से किया गया। न्योता भोज में विद्यालय के 450 बच्चों को स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन कराया गया। साथ-साथ मतदाता जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक का भी प्रदर्शन किया गया। नुक्कड़ नाटक के द्वारा उपस्थिति लोगों से लोकसभा निर्वाचन में अपने अमूल्य मत का प्रयोग करने अपील की गई। इस अवसर पर रायपुर जिले की अपर कलेक्टर निधि साहू, विकासखंड शिक्षा अधिकारी संजयपुरी गोस्वामी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी वंदना शुक्ला, नोडल प्राचार्य जॉली साहू, प्रधानपाठक लच्छुराम निषाद, एम जैदी, मुमताज अली, आर एस राहंगडाले, एम आर साहू, कमल देवांगन, मनमत भारती, अनिता साहू, निर्मला चावड़ा, समीर सिद्दीकी, रोमनाथ चंद्राकर एवं गुढ़ियारी संकुल के प्रधान पाठक, शिक्षक, शाला सदस्य एवं और पालक उपस्थित थे।

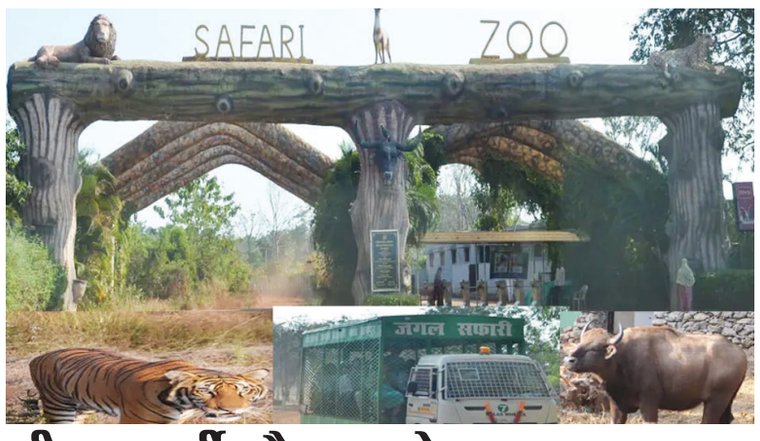

भीषण गर्मीः सैर-सपाटे का टाइम बदला

सुबह 7 से शाम 4 बजे तक होगी जंगल सफारी की सैर

रायपुर (ए.)। भीषण गर्मी और वन्यप्राणियों को इससे होने वाली परेशानियों को देखते हुए जंगल सफारी के समय में बदलाव किया गया है। जंगल सफारी आने वाले पर्यटक अब सुबह 7 बजे से सफारी का आनंद ले सकेंगे। पहले जंगल सफारी खुलने का समय सुबह 9.30 बजे से था। वहीं अब सफारी ढाई घंटे पहले खुलेगा (7 बजे) और शाम 4 बजे तक लोग जंगल सफारी घूम पाएंगे। नया रायपुर स्थित नंदनवन जू और सफारी में मैमल्स और रेप्टाइल्स सहित कुल 37 वन्यजीव प्रज़ातियों का खूबसूरत आशियाना है । जंगल सफारी सफारी के डायरेक्टर धम्मशील गणवीर में बताया कि नंदनवन जंगल सफारी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। जंगल सफारी प्रबंधन ने वन्य जीव संरक्षण और पर्यटन विकास में प्रयास किए जा रहे हैं।

नवा रायपुर के जंगल सफारी घूमने के लिए नॉन एसी बस का किराया 100 रुपए है। 12 वर्ष के बच्चों का किराया 25 रुपए है। एसी बस में सफर करने का किराया 150 रुपए है। 12 साल तक के बच्चों का किराया भी 50 रुपए है। जू में 12 साल से कम उम्र के बच्चों की एंट्री फ्री है।

प्रभात फेरी के बाद हुआ रक्तदान शिविर व स्वास्थ्य परीक्षण

प्रसादी में प्रतिदिन 2000 लोगों को मिल रहा भोजन

रायपुर (ए.)। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव 2024 पर आयोजित की जाने वाले 15 दिवसीय प्रभात फेरी, धार्मिक, सांस्कृतिक,स्वास्थ्य शिविर,महावीर प्रसादी भंडारा, आदि का आयोजन तीसरे दिन, 8 अप्रैल को भी किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6.30 बजे प्रभात फेरी से की गई यह प्रभात फेरी सुंदर नगर रोड जगन्नाथ मंदिर अरिहंत ज्वेलर्स के पास से होते हुए वासुपूज्य जिनालय डीडी नगर पर समाप्त हुई। यह प्रभात फेरी जिसके संयोजक एवं प्रभारी साधुमार्गी जैन समता युवा संघ है। उनके द्वारा इस प्रभात फेरी के माध्यम से सकल जैन समाज के सभी सदस्य को एक सूत्र में पिरोने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। जिससे महावीर की वाणी हर घर में पहुंचने का प्रयास कर रहे है।

प्रभात फेरी के पश्चात ब्लड डोनेशन शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण जांच का आयोजन किया गया। सुबह 11 बजे महावीर प्रसादी भोग भंडारे का आयोजन गोल चौक स्थित साई मंदिर के पास डीडी नगर में किया गया जिसके लाभार्थी वालफोर्ट ग्रुप थे। विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। जिसमें दोपहर 2 बजे मेघ सीता भवन राजेंद्र नगर में उत्तर हमारे प्रश्न आपके स्पर्धा का

आयोजन किया जिसमें अलग अलग ग्रुप बना कर 5 अराउंड खेले गए जिसमे प्रथम द्वितीय आने वालो को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में कुसुम बेगानी, सरिता पारख, रेखा,मंजु,शानु,रीना,शिल्पा,दर्शना,मोनिका, आरती,आदि उपस्थित थी। दोपहर 2.30 सखी महिला मंडल शंकर नगर द्वारा संदीप भवन शंकर नगर में नावकार स्मरण महावीर की शरण का एवं तुमसे लगी लगन गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे नवकार मंत्र की चैन बनाकर एवं गीत के वीर नाम बनाकर गीत तैयार करने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। सही जवाब देने वालो को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिए गए। इस कार्यक्रम में माया सेठिया, सरला टाटिया, संगीता नाहटा, राशि शाह उपस्थित थी। दोपहर 2.30 बजे धम्मतीथयरे क्विज टाइम का आयोजन गोल्ड एज क्लब अमलीडीह द्वारा किया गया जिसमें अलग-अलग रिंग में विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से पहेली मात्रा गीत राउंड खेले गए जितने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में कमला देवी चोपड़ा, उषा पारख, पुष्पा मालू उपस्थित थी। क्रियेटिव आर्ट वर्कशॉप आयोजन मल्ली महिला मंडल व शीतल बहु मंडल का समापन हुआ। तीन दिवसीय आयोजन में लगभग 100 बच्चों की सहभागिता दिखाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया।

ब्लड डोनेशन कैंप में लगभग आदि समाज के सदस्य अपना जीवन दाता ब्लड का डोनेशन कर रहे है जिस कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रभारी रायपुर श्रमण संघ, तेरापंथ युवक परिषद, साधुमार्गी समता जैन युवा संघ है। यह ब्लड डोनेशन शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव 2024 एवं आशीर्वाद ब्लड बैंक,शिवनाथ ब्लड बैंक,ब्लड सेंटर एमएमआई एवं श्रीरामकृष्ण हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

'लव सेक्स और धोखा-2' से पहली ट्रांस महिला लॉन्च, कुल्लू बन दिल जीतने आ रहीं बोनिता राजपुरोहित

एकता कपूर ने 'लव सेक्स और धोखा-2' में एक ट्रांस महिला को मुख्य भूमिका में लिया है। इस तरह बोनिता राजपुरोहित फिल्मों में काम करने वाली पहली ट्रांस महिला बन गई हैं।

निर्माता एकता आर कपूर और निर्देशक दिबाकर बनर्जी के डिस्क्लेमर के बाद जारी किया गया 'लव सेक्स और धोखा 2' का टीजर सुर्खियों में छाया हुआ है। टीजर एक मनोरंजक और चौंकाने वाली कहानी की झलक देता है। इसने सोशल मीडिया और फिल्म के हर एक पहलू पर एक बिल्कुल नई चर्चा छेड़ दी है। कई चीजों के बीच, एक पहलू जिसने वास्तव में दर्शकों को चौंका दिया, वह एक ट्रांस महिला नायक की उपस्थिति थी, जिसे निर्माता एकता आर कपूर ने पहली बार बड़े पर्दे पर पेश किया है।

एकता कपूर ने किया ट्रांसजेंडर-महिला को लॉन्च

एकता आर कपूर ने कई नए चेहरों को पर्दे पर मौका दिया है। 2010 में रिलीज हुई 'लव सेक्स और धोखा' के साथ एकता ने मनोरंजन इंडस्ट्री में कई नए चेहरों को पेश किया।

इस बार, एकता 'लव सेक्स और धोखा 2' में एक ट्रांसजेंडर-महिला को मुख्य भूमिका में लॉन्च करने वाली पहली निर्माता बन गई हैं। बोनिता राजपुरोहित फिल्म में कुल्लू का किरदार निभाती नजर आएंगी, जिसकी झलक हम सभी टीजर में देख चुके हैं।

वीडियो साझा कर किया स्वागत

निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया पर बोनिता राजपुरोहित की यात्रा को प्रदर्शित करते हुए एक वीडियो साझा किया और बताया कि कैसे बोनिता को 'लव सेक्स और धोखा 2' में भूमिका मिली। निर्देशक दिबाकर बनर्जी ने बोनिता को अभिनय की सलाह दी, और यह कहा जाना चाहिए कि बोनिता ने सर्वश्रेष्ठ दिया। 'लव सेक्स और धोखा 2' के मुख्य कलाकारों में बोनिता को पेश करते हुए एकता आर कपूर कहती हैं, 'हर सपना सच होता है और सच होने का हकदार होता है।'

रूढ़िवादिता तोड़ेगी 'एलएसडी-2'

इसके अलावा, एकता आर कपूर ने एक कैप्शन के साथ बोनिता का स्वागत किया, जिसमें लिखा है, 'फिल्म जगत में बोनिता का स्वागत है! हर सपना सच होता है और सच होने का हकदार होता है।' रूढ़िवादिता, सीमाओं और सांचों को तोड़ते हुए, 'लव सेक्स और धोखा 2' अपने ताने-बाने पर खरा उतरता है और आज की पीढ़ी की वास्तविकताओं पर सबसे अशोभनीय तरीके से चर्चा करता है। उल्लेखनीय रूप से, यह पहली बार होगा जब एक ट्रांसजेंडर-महिला को किसी नाटकीय बॉलीवुड फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते हुए देखा जाएगा।

दर्शकों को फिर 'शैतान' ने किया अपने वश में

'शैतान' को रिलीज हुए एक माह हो गया हैं। इस सूपरनॅचुरल हॉरर थ्रिलर फिल्म 'शैतान' की शक्तियां अब अंतिम में बढ़ने लगी हैं। ऐसे में अब 'शैतान' की कमाई सामने आ चुकी है।

जाते-जाते 'शैतान' ने बढ़ाई अपनी शक्तियां

अजय देवगन और आर माधवन स्टारार फिल्म 'शैतान' ने मेकर्स और दर्शकों की उम्मीदों पर पूरी तरह से खरी उतरी है। इस फिल्म की कहानी को दर्शकों और क्रिटिक्स से अच्छे रिव्यू मिले हैं। डायरेक्टर विकास बहल की 'शैतान' ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचाई है। विकास की ये तंत्र-मंत्र पर बेस्ड इस फिल्म ने 8 मार्च को थिएटर में दस्तक दी थी। इस फिल्म को रिलीज हुए आज 31 दिन हो गया हैं। इस सूपरनॅचुरल हॉरर थ्रिलर फिल्म 'शैतान' की शक्तियां अब अंतिम में बढ़ने लगी हैं। ऐसे में अब 'शैतान' की कमाई सामने आ चुकी है। आइए जानते हैं फिल्म अब तक कितना कमा लिया है

डायरेक्टर विकास बहल की फिल्म 'शैतान' को फिर से वीकेंड का पूरा फायदा मिला है। फिल्म ने क्रूऔर बाकी फिल्मों के होने के बाद भी संडे को बेहतर कलेक्शन किया। फिल्म में एक बार फिर से अजय देवगन, आर माधवन और ज्योतिका की एक्टिंग ने एक्टिंग का जादू चल गया। 'शैतान' डे वन से ही बॉक्स ऑफिस पर बेहतर प्रदर्शन कर रही है। वहीं, अंतिम बार इसकी कमाई में काफी उछाल देखने को मिला है। 'शैतान' ने

ओपनिंग डे पर 14.75 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। वहीं, बाद में इसका कलेक्शन काफी बढ़ा था। ऐसे में अब 'शैतान' के रविवार के शुरुआती आंकड़े सामने आ चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 'शैतान' ने 31वें दिन 1.15 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। वहीं, अब फिल्म की कुल कमाई 143.30 करोड़ रुपये हो गई है। फाइनल आंकड़ो के लिए आपको थोड़ा इंतजार करना हो। हालांकि, फिल्म अभी तक 150 करोड़ के आंकड़े से काफी दूर है।

अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ के फैंस के लिए बुरी खबर

अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर सोशल मीडिया पर बज बरकरार है। मूवी में अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ का एक्शन और कॉमेडी दोनों अंदाज देखने को मिलेगा। वासु भगनानी के बैनर तले बनी इस फिल्म में कुछ इंट्रेस्टिंग चीजें दिखाई जाएंगी। हालांकि रिलीज से पहले फिल्म को कुछ बदलाव का सामना करना पड़ सकता है।

एक्टर अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' ट्रेंडिंग में बनी है। फिल्म रिलीज से ज्यादा दूर नहीं हैं। ऐसे में मेकर्स जमकर इसका प्रमोशन कर रहे हैं। मगर ऐसा लगता है कि ईद के मौके पर रिलीज होने वाली इस एक्शन एंटरटेनर मूवी को कुछ टेस्ट से गुजरना होगा।

अली अब्बास जफर के डायरेक्शन में बनी 'बड़े मियां छोटे मियां' में अक्षय कुमार की जोड़ी मानुषी छिल्लर और टाइगर श्रॉफ की अलाया एफके साथ दिखेगी। फिल्म का धमाकेदार टीजर और ट्रेलर रिलीज होने के बाद से फैंस में इस मूवी को देखने की दिलचस्पी बढ़ गई है।

'बड़े मियां छोटे मियां' की रिलीज पर आया ये खतरा

अक्षय कुमार सोशल मीडिया पर अच्छी फैन फॉलोइंग एन्जॉय करते हैं। इसका कुछ असर एडवांस बुकिंग में भी देखने को मिल रहा है। अभी तक खबर आई थी कि फिल्म की रिलीज डेट एक दिन आगे खिसक चुकी है। वहीं, अब जानकारी सामने आई है फिल्म में कुछ बदलाव किए जाएंगे।

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, 'बड़े मियां छोटे मियां' को री एडिट किया जाएगा। शनिवार को फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई, जहां फाइनल फिल्म देखने के बाद मेकर्स ने इसे री एडिट करने का फैसला किया। अक्षय कुमार, वासु भगनानी और जैकी भगनानी ने मूवी को क्रिस्प कट देने के लिए फिल्म को 8 मिनट छोटा करने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि फिल्म में कोई एक या दो सीन काटा जा सकता है।

बॉक्स ऑफिस पर होगी टक्कर

'बड़े मियां छोटे मियां' 10 अप्रैल की शाम को रिलीज हो रही है। इसी दिन अजय देवगन की 'मैदान' भी थिएटर्स में दस्तक देगी। दोनों फिल्में शाम 6 बजे से शुरू होंगी।

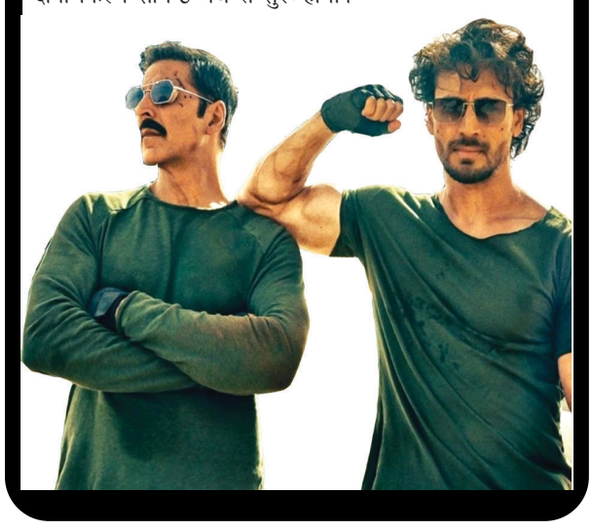

स्ट्रॉबेरीः किडनी रोगियों के लिए लाभदायक

शरीर के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए फलों का सेवन अच्छा माना जाता है। इसी कड़ी में स्ट्रॉबेरी को सभी पसंद करते हैं, जो अपने बढ़िया स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के लिए जानी जाती है। इसका सेवन करना किडनी को स्वस्थ रखने के लिए भी लाभदायक होता है। स्ट्रॉबेरी को डाइट में शमिल करने से किडनी की बीमारियों से आराम मिल सकता है। स्ट्रॉबेरी का रोजाना सेवन करने से किडनी रोगियों को कई फायदे मिल सकते हैं।

कम मात्रा में होता है पोटेशियम

पोटेशियम विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों में पाया जाने वाला खनिज है, जो शरीर के लिए जरूरी होता है। हालांकि, किडनी रोगियों को इसका सेवन सीमित करने के लिए कहा जाता है। एडवांसेज इन न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि कम पोटेशियम वाले खाद्य पदार्थ क्रॉनिक किडनी रोग के खतरे को कम करने में मदद करते हैं। स्ट्रॉबेरी में पोटेशियम कम होता है, जिस वजह से यह किडनी की बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए अच्छी है।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

स्ट्रॉबेरी विटामिन सी, एंथोसायनिन और फ्लेवोनोइड जैसे एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है। ये यौगिक ऑक्सीडेटिव तनाव और

मिलते हैं कई फायदे

सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। यह बेरी संभावित रूप से किडनी की बीमारी की प्रगति को धीमा कर सकती है। साथ ही इसके सेवन से शरीर की पुरानी बीमारियों के जोखिम को भी कम किया जा सकता है। स्ट्रॉबेरी के सेवन से हमारे शरीर को कई स्वास्थ्य संबंधी फायदे भी मिलते हैं।

उच्च मात्रा में मौजूद होता है फाइबर

फाइबर से लैस स्ट्रॉबेरी खाने से पाचन संबंधी समस्याएं कम होती हैं। साथ ही यह खनिज ब्लड शुगर को नियंत्रित करके मधुमेह के लक्षण कम करता है, जो क्रॉनिक किडनी रोग का प्रमुख करक है। क्लिनिकल किडनी जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया है कि फाइबर से भरपूर खाद्य-पदार्थ क्रॉनिक

किडनी रोग की प्रगति को कम करने में मदद कर सकते हैं। स्ट्रॉबेरी को इन 5 तरह से करें डाइट में शामिल।

दुरुस्त होता है दिल का स्वास्थ्य

किडनी के स्वास्थ्य के लिए दिल का स्वस्थ होना बेहद जरूरी होता है। आपका दिल आपके शरीर में ऑक्सीजन युक्त खून पहुंचाने का काम करता है, वहीं किडनी रक्त को फिल्टर करती है। साथ ही ये रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए आपके शरीर में पानी और नमक के स्तर को नियंत्रित करती हैं। आप दिल को स्वस्थ रखने और किडनी को ठीक तरह से काम करने में मदद करने के लिए स्ट्रॉबेरी को खान-पान में जोड़ें।

संतुलित मात्रा में है फास्फोरस व सोडियम

किडनी के रोगियों को कम फास्फोरस और सोडियम वाला खाना खाने की सलाह दी जाती है। स्ट्रॉबेरी में ये दोनों खनिज कम मात्रा में पाए जाते हैं। फास्फोरस और सोडियम, दोनों ही खनिज किडनी की समस्याओं को बढ़ाकर आपको बीमार कर सकते हैं। स्ट्रॉबेरी के इस्तेमाल से बनाकर पीएं ये 5 स्वादिष्ट पेय पदार्थ। अगर आप किडनी की बीमारी से पीड़ित हैं तो डॉक्टरी सलाह के बिना किसी भी नुस्खे का इस्तेमाल न करें। हमेशा अपने डॉक्टर की सलाह मानें।

ऐश्वर्या रजनीकांत और एक्टर धनुष ने

कोर्ट में डाली तलाक की अर्जी

टूट रही है 18 साल पुरानी शादी

ऐश्वर्या रजनीकांत और एक्टर धनुष ने दो साल पहले 2022 में अपने अलग होने का एलान किया था। इस जोड़े ने अपनी 18 साल पुरानी शादी को खत्म करने का फैसला किया था। अब दोनों के तलाक को लेकर एक अपडेट सामने आया है। खबर है कि कपल ने कोर्ट में तलाक की अर्जी डाली है।

रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत और एक्टर धनुष एक बार फिर पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। साल 2022 में उन्होंने अलग होने का एलान किया था, जो उनके फैंस और जानने वालों के लिए हैरान करने वाला था। अब दोनों ने तलाक के लिए अदालत में अर्जी डाली है।

कोर्ट पहुंचा धनुष और ऐश्वर्या का रिश्ता

ऐश्वर्या रजनीकांत और धनुष साल 2004 में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों के दो बेटे भी हैं। हालांकि, शादी के 18 वर्ष बाद जनवरी 2022 में दोनों ने सेपरेशन का एलान करके हर किसी को दंग कर दिया था। कुछ फैंस को यह भी उम्मीद थी कि अलग हो चुका जोड़ा दूसरी शादी पर विचार करेगा, लेकिन ऐसा भी नहीं हो सका। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अलग होने की घोषणा के दो साल से अधिक समय बाद अभिनेता धनुष और फिल्म निर्माता ऐश्वर्या रजनीकांत ने तलाक के लिए चेन्नई फैमिली कोर्ट में अर्जी दी है।

बता दें, धनुष इस साल रिलीज हुई फिल्म कैप्टन मिलर में नजर आये थे। वहीं, ऐश्वर्या रजनीकांत की डायरेक्टोरियल फिल्म लाल सलाम भी इसी साल रिलीज हुई है, जिसमें रजनीकांत ने ही मुख्य भूमिका निभाई थी। ऐश्वर्या की डायरेक्टोरियल फिल्म 3 थी, जो 2012 में आई थी। इस फिल्म में धनुष और श्रुति हासन लीड रोल्स में थे। इस फिल्म का व्हाई दिस कोलावेरी डी गाना इंटरनेट सेंसेशन बन गया था, जिसे धनुष ने लिखने के साथ आवाज दी थी।

क्यों अलग हो रहे हैं धुनष और ऐश्वर्या

वहीं, इन दोनों के अलग होने के पीछे की असली वजह का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। जनवरी 2022 को धनुष ने एक्स पर एक नोट में साझा किया था- 'हमने 18 साल बतौर दोस्त, कपल, पेरेंट्स और वेल विशर समय बिताया। आज हम अपने रास्ते अलग करने जा रहे हैं। हमने एक कपल के रूप में अलग होने का फैसला किया है, ताकि हम खुद को बेहतर तरीके से समझ सकें।

देवा की शूटिंग से शाहिद कपूर ने शेयर की तस्वीर

शाहिद कपूर अपने मोस्ट अवेटेड प्रोजेक्ट देवा के लिए तैयारी कर रहे हैं और आज, उन्होंने फिल्म के सेट से एक झलक साझा की। सैल्यूट और कायमकुलम कोचुन्नी जैसी मलयालम हिट फिल्मों के लिए फेमस रोशन एंड्रयूज की डायरेक्टेड, यह फिल्म उत्साह का वादा करती है। कपूर के साथ, इसमें प्रतिभाशाली पूजा हेगड़े भी हैं।

देवा 11 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जो एक प्रत्याशित सिनेमाई अनुभव के लिए मंच तैयार करेगी। कपूर की भागीदारी और एंड्रयूज के डायरेक्शन के साथ, फैंस इस आगामी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, एक मनोरम कहानी को सिल्वर स्क्रीन पर जीवंत करने की उम्मीद कर रहे हैं।

शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी फिल्म देवा के सेट से एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर साझा की। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, 'वापस' सेट पर देवा।

पिछले साल दशहरे पर, शाहिद कपूर ने अपनी आगामी फिल्म देवा की एक झलक दिखाकर अपने

फैंस को सुखद आश्चर्यचकित कर दिया था। उन्होंने खुलासा किया कि फिल्म अगले दशहरा, 11 अक्टूबर, 2024 को रिलीज होने के लिए तैयार है। उन्होंने फिल्म से पहला लुक साझा किया, जिसमें अधिक मांसल शरीर है, कपूर एक सफेद शर्ट और बेज रंग की पैंट में आकर्षक लग रहे थे, साथ ही कटे हुए बाल भी थे। उनकी पोशाक फिल्म में एक पुलिसकर्मी के किरदार का संकेत देती है। साथ ही उन्हें अंगूठी जैसा पेंडेंट पहने भी देखा गया।

वर्कफ्रंट कीबात करें तो शाहिद कपूर को आखिरी बार रोमांटिक कॉमेडी तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में देखा गया था, जिसमें उन्होंने कृति सेनन के साथ अभिनय किया था। हालाँकि फिल्म की शुरुआत धीमी रही, लेकिन सकारात्मक प्रतिक्रिया ने इसे कायम रखने में मदद की और अंततः भारत में लगभग 80 करोड़ रुपये की कमाई की देवा के अलावा फैंस उनकी पॉपुलर वेब सीरीज फर्जी के दूसरे सीजन का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

बाल विवाह केवल सामाजिक बुराई ही नहीं, अपितु कानूनन अपराध भी

कांकेर (आरएनएस)। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिलावासियों से रामनवमी एवं अक्षय तृतीया के अवसर पर सम्पन्न होने वाले बाल विवाह की रोकथाम करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह सामाजिक कुप्रथा है, जिसे जड़ से खत्म करना बेहद जरूरी है। बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का निर्मम उल्लंघन है। बाल विवाह के कारण बच्चे के पूर्ण और परिपक्व व्यक्ति के रूप में विकसित होने के अधिकार, इच्छा स्वास्थ्य, पोषण व शिक्षा पाने और हिंसा, उत्पीड़न व शोषण से बचाव के मूलभूत अधिकारों का हनन होता है। कम उम्र में विवाह से बालिका का शारीरिक विकास रूक जाता है। गंभीर संक्रामक यौन बीमारियों की चपेट में आने का खतरा भी बढ़ जाता है और उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ता है। उन्होंने अपनी अपील में कहा है कि विवाह के कारण कम उम्र की मां और उसके बच्चें दोनों की जान और सेहत खतरे में पड़ जाती है बाल विवाह के कारण जननांग पूर्ण विकसित नहीं होने से गर्भपात का खतरा भी बढ़ जाता है। कम उम्र की मां के नवजात शिशुओं का वजन कम रह जाता है, साथ ही उनके सामने कुपोषण व खून की कमी की भी ज्यादा आशंका बनी रहती है। बाल विवाह की वजह से बहुत सारे बच्चे अनपढ़ और अकुशल रह जाते हैं जिससे उनके सामने अच्छे रोजगार पाने और बड़े होने पर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने की ज्यादा संभावना नहीं बचती है। कलेक्टर सिंह ने कहा कि बाल विवाह केवल एक सामाजिक बुराई ही नहीं अपितु कानूनन अपराध भी है। बाल विवाह से बच्चों का सर्वांगीण विकास प्रभावित होता है।

भव्य कलश यात्रा के साथ वार्षिक उत्सव मनाया गया

बेलरगांव (आरएनएस)। क्षेत्रीय साहू समाज बेलरगांव के अंतर्गत ग्राम भुरसीडोगरी मे आयोजित हूआ साहू समाज का वार्षिक उत्सव में पूजा अर्चना कर भव्य कलश शोभा यात्रा साहू सदन से निकलकर बस स्टैंड मुख्य मार्ग होते हुए गांव की गलियों में भक्ति माता कर्मा की जय राजीव लोचन की जय दानवीर भामाशाह की जय साहू समाज की जय करा के साथ भ्रमण कर सभा स्थल पहुंच जहां अतिथियों को पघाकर लाया गया और अतिथियों के द्वारा भक्त माता कर्मा की पूजा अर्चना की गई ।प्रथम सोपान के मुख्य अतिथि अंबिका मरकाम विधायक विधानसभा 56, अध्यक्षता मनीराम साहू अध्यक्ष पर क्षेत्रीय साहू समाज बेलरगाँव विशेष अतिथि नरोत्तम लाल साहू , वासुदेव महाराज खिलोली उड़ीसा, सुखचंद मरकाम जनपद सदस्य एवं अध्यक्ष कृषि एवं ग्रामीण विकास समिति भुरसीडोगरी, रोहिणी नेताम सरपंच ग्राम पंचायत भुरसीडोगरी आत्मा राम शोरी सरपंच ग्राम पंचायत आमगांव, दाऊवालाल देवागन, एवं सभी समाज के अध्यक्ष गण सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया गया स्वागत सम्मान के पश्चात प्रतिभावान उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया साथ-साथ बाहर से आए हुए अतिथियों का स्वागत सत्कार कर उद्बोधन के लिए विधायक अंबिका मरकाम सिहावा विधान सभा क्षेत्र ने अपनी उद्बोधन में कहा कि साहू समाज का एक अलग ही पहचान है उन्होंने और कहा कि हमें सब मिलकर अंतर जाति अंतर धर्म को रोक लगाने की बात कही । अतिथियों की सम्मान कर विदाई किया गया। तत्पश्चात रात्रि में परिक्षेत्रीय वार्षिक अधिवेशन के द्वितीय सोपान मे परिक्षेत्रिय अध्यक्ष का पगड़ी रस्म सम्मान व अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुनीत राम साहू अध्यक्ष तहसील साहू समाज नगरी सिहावा अध्यक्षता मनीराम साहू अध्यक्ष पर क्षेत्रीय साहू समाज बेलरगाँव विशेष अतिथि नरोत्तम लाल साहू संरक्षक सहदेव राम साहू संरक्षक तहसील साहू समाज नगरी , सुभाष चंद्र साहू सचिव नगरी, पेमन लाल साहू सचिव, लव कुमार साहू, समाज के प्रमुख पदाधिकारी कार्यक्रम की विशेष अतिथि थे।

बस्तर में पीएम मोदी ने कांग्रेस को घेरा : बोले-

कांग्रेस को गरीबी से मतलब नहीं, गरीबी दूर करने की गारंटी है मोदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए चुनावी सरगर्मी तेज है। सोमवार को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बस्तर दौरे पर पहुंचे। पीएम मोदी यहां अमाबाल में आयोजित विजय संकल्प शंखनाद रैली में शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां आमसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस को गरीबी का मतलब ही नहीं पता। उन्होंने कहा कि जब तक गरीबी दूर नहीं कर दूंगा तब तक चैन से नहीं बैठूंगा।

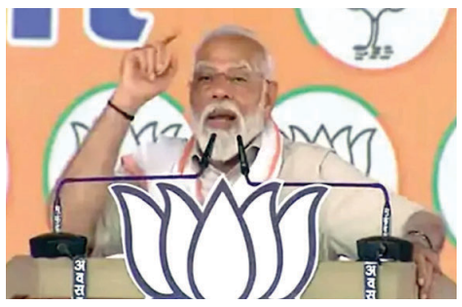

इससे पहले पीएम मोदी ने मां दंतेश्वरी की जय के नारे के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की और बलिराम कश्यप को याद किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी कल्याण के लिए बलीराम कश्यप हमेशा जागरूक रहे हैं। बस्तर ने मुझे और भाजपा को हमेशा आशीर्वाद दिया। पिछले दस साल में देश ने प्रगति की है और मैं आपका आभार व्यक्त करने आया हूं। पीएम मोदी ने कहा कि बस्तर के लोगों ने मोदी की गारंटी पर मोहर लगाई है इसी विश्वास से पूरा देश कह रहा है फि र एक बार मोदी सरकार। हमारी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता गरीब का कल्याण है। कांग्रेस ने गरीब की परेशानी समझी ही नही। कांग्रेस को मंहगाई समझ नहीं आई। कच्ची छत के नीचे रहने की तकलीफ मुझे पता है। घर में राशन न हो तो माँ पर क्या बीतती है मुझे पता है।

पीएम मोदी ने कहा कि दवा के लिए पैसे न हों तो उसकी मजबूरी मुझे पता है। हमारी सरकार ने गरीबों को उनका हक दिया। देश मे 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। बस्तर से ही मैने आयुष्मान योजना की शुरुआत की थी जो पूरे देश मे सस्ता इलाज दे रही है। पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज की सुविधा दे रहे हैं। माँ बीमार होती है तो किसी को बताती नहीं है। वो डरती है कि इलाज में पैसे खर्च होंगे बच्चे कर्जदार होंगे। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि राम मंदिर का समर्थन करने वाले नेताओं को कांग्रेस ने पार्टी से निकाल दिया है। कांग्रेस ने राम मंदिर का न्यौता ठुकरा दिया है। कांग्रेस राम मंदिर बनने से खुश नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमने सस्ती दवा की दुकान खोली, दुनिया में कोरोना संकट आया लोग कहते थे भारत कैसे बचेगा। गरीबों का क्या होगा। हमने गरीबों को मुफ्त वैक्सीन, राशन देने का वादा किया और दूसरे देशों में खाने के लिए दवा के लिए हाहाकार मचा था तब हमने मुफ्त में राशन, वैक्सीन दिया। मुफ्त राशन आज भी दे रहे हैं आने वाले 5 साल और देंगे। मुफ्त में राशन मिलने से पैसा बच रहा है। गरीब अपना सपना पूरा कर रहा है। भ्रष्टाचार से सबसे ज्यादा नुकसान गरीब का होता है।

पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले कांग्रेस की सरकार में दिल्ली से एक रुपया निकलता था तो यहां 15 पैसा पहुचता था। हमने ये सिस्टम ही बंद कर दिया और सीधे गरीबों के खाते में 34 लाख करोड़ भेजे। सीधे पैसा भेजने से एक रूपये भी कोई नहीं खा पाया। कांग्रेस की सरकार होती तो पूरे पैसे खा जाते। पीएम मोदी ने कहा कि मैंने लोगों की दुकानें बंद करवा दि है अब मेरी रक्षा कौन करेगा, आप करेंगे न। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के भ्रष्टाचार की जांच करवा रहे हैं। ये मोदी का सर लाठी से फोड़ने की बात कर रहे हैं। मोदी डरने वाला नहीं है। गरीबों को जिन्होंने लूटा उन्हें सजा जरूर मिलेगी।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं कहता हूं भ्रष्टाचारियों को जेल जाना पड़ेगा ये मेरी गारंटी है। राम नवमी दूर नहीं है इस बार रामलला टेंट में नहीं मंदिर में दर्शन देंगे। इसकी सबसे ज्यादा खुशी राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ को है। लेकिन कांग्रेस को ये रास नही आया जो नेता वहां पहुंचे उन्हें पार्टी से निकाल दिया। कांग्रेस के घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग की छाप है। यहां गरीब परिवारों को पक्का घर दिया। जिन लोगों को योजना का लाभ नहीं मिला है उनको गारंटी दे देना की पांच साल में उन्हें भी लाभ मिलेगा। घर दे रहे हैं उसका मालिकाना हक भी महिलाओं के दे रहे हैं। हमने तीन करोड़ दीदियों को लखपति बनाने का टारगेट रखा है। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा ने ही छत्तीसगढ़ को पहला आदिवासी मुख्यमंत्री दिया। बजट पांच गुना बढ़ाया है। आपका सपना ही मोदी का सपना है। इसे पूरा करने के लिए हर पल देश के नाम हर पल आपके नाम। 24 घंटे आपके लिए काम। पहली बार 24 हजार करोड़ की योजना बनाई है। इससे हर आदिवासी परिवार का जीवन बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मेरा लक्ष्य देश को विकसित बनाना है। पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मेरा एक काम और आपको करना है। मैं संगठन का काम करता था तब हर जगह जाता था अभी नहीं जा पाता हूं। आपको जाना है, घर- घर जाना है और कहना है कि मोदी जी ने राम राम कहा है। आमसभा की शुरुआत में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि दुनिया के सबसे बड़े नेता हमारे पीएम हम सबके बीच पधारे हैं।

दो दिवसीय भोरमदेव महोत्सव का गरिमापूर्ण समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ की लोक-पारंम्परिक लोकगीत तथा बॉलीवुड की सुपर-डूपर हिन्दी फिल्मों की गाने के साथ जिले में आयोजित भोरमदेव महोत्सव वर्ष 2024 के अंतिम दिवस की संध्या सजी। महोत्सव के दूसरे दिन आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर जनमेजय महोबे सहित पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विकास कुमार, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, अपर कलेक्टर अविनाश भोई एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने दीप प्रज्जवलन के साथ विधिवत हुआ।

इस दौरान जिला न्यायधीश मती सत्यभामा अजय दुबे भी भोरमदेव महोत्सव में शामिल हुई। छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक, पुरात्तविक, धार्मिक, पर्यटन और जन आस्था का केन्द्र के नाम से प्रत्येक वर्ष यह आयोजन होते आ रहा है। यह 28 वां भोरमदेव महोत्सव था। महोत्सव समापन से पूर्व बाबा भोरमदेव मंदिर के शिव जी का विधिवत प्रात: काल महाअभिषेक, एक हजार नामों से सहस्त्रार्चन, रूद्राभिषेक, विशेष श्रृंगार आरती की गई। दूसरे पहर शायं काल में सहस्त्रधारा से महाभिषेक, श्रृंगार महाआरती-भस्म आरती, शिव सरोवर के सामने भगवान वरूण देव का पूजन, दीपदान, गंगा आरती की गई।

भोरमदेव महोत्सव के दूसरे दिन बैगा नृत्य के साथ सांस्कृतिक कार्याक्रमों का शुभारंभ हुआ। इसके बाद स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी गई। कुमार पंडित द्वारा तबला जुगलबंदी की प्रस्तुति देते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। इसके बाद सारेगामापा विजेता सिंगर सु इशिता विश्वकर्मा एवं उनकी पूरी टीम की सुपर-हिट गीत संगीत की प्रस्तुति देकर महोत्सव का शमा बांधा। छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कलाकार नितिन दुबे द्वारा छत्तीसगढ़ की संस्कृति सहित सुपर डुपर गानों की शानदार प्रस्तुति देकर छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति को आगे बढ़ाया और मंच का मान बढ़ाया।

लोकतंत्र को मजबूत करने सभी मतदाता मतदान जरूर करें-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। भोरमदेव महोत्सव 2024 के समापन अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जनमेजय महोबे ने लोकसभा निर्वाचन के लिए 26 अप्रैल को मतदान दिवस के दिन मतदाताओं को अनिवार्य रूप से अपने मताधिकार का उपयोग करके लोकतंत्र को मजबूत बनाने की अपील की।

उन्होंने महोत्सव में उपस्थित सभी लोगों को मतदान के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विकास कुमार, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल, अपर कलेक्टर अविनाश भोई सहित अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र-06 के जिले में लोकसभा निर्वाचन में शत शत-प्रतिशत मतदान के लिए स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर महोबे के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय, जनपद, विकासखंड, तहसील और ग्राम पंचायत स्तर में अभियान चलाकर जिले के मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। आमागी 26 अप्रैल को होने वाले लोकतंत्र के महापर्व में भाग लेने के लिए हजारों युवाओं, अधिकारी कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग मतदाताओं ने अनोखे अंदाज में संदेश दिया था।

शत प्रतिशत मतदान के लिए जागरूकता दौड़ का किया गया आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। लोक सभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वीप मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर जिले में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इसी क्रम में स्वीप मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत जागरूकता दौड़ का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित पं. चक्रपाणि स्कूल परिसर में किया गया। जिसमें कलेक्टर के एल चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार भी शामिल हुए। दौड़ को जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप नोडल अधिकारी दिव्या अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता दौड़ पं.चक्रपाणि स्कूल परिसर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड, गार्डन चौक, जनपद पंचायत कार्यालय होते हुए पं.चक्रपाणि स्कूल परिसर में ही समाप्त किया गया। जिसमें बढ़ चढ़ कर विद्यालयों के छात्र- छात्राओं, खिलाड़ी, पुलिस कर्मचारी, अधिकारी कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। इसके साथ ही कलेक्टर ने सभी को शत प्रतिशत मतदान के लिए शपथ दिलाई। कलेक्टर ने सभी को लोकतंत्र में मतदान की आवश्यकता के बारे में बताया एवं आगामी लोकसभा निर्वाचन में शत प्रतिशत मतदान हेतु सभी को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। उन्होने कहा यह लोकतंत्र का उत्सव है जो पांच साल में एक बार आता है।

अत: इस ऐतिहासिक उत्सव में हम सब की सहभागिता अनिवार्य है। पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार ने भी सभी जिला वासियों से अपने मतदाधिकार के प्रयोग करने की अपील की हैं। उन्होने कहा कि अपने मतों का प्रयोग अपने विवेक से करना चाहिए। मत को प्रभावित करने वाले प्रभोलन से बचना चाहिए तभी जाकर एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण हो सकता है। हमारे एक वोट से ही देश की दिशा एवं दशा तय होती है।

इस मौके जिला पंचायत सीईओ दिव्या अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निधी नाग, बलौदाबाजार एसडीएम अमित गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती, जिला खेल अधिकारी प्रीति बंछोर बिजौरा, तहसीलदार राजू पटेल, जनपद पंचायत सीईओ मंडावी, सीएमओ भोई, साक्षर भारत सोमेश्वर राव सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित रहे। सभी विकासखंड मुख्यालयों में भी हुआ आयोजन मतदाता जागरूकता दौड़ का आयोजन एक साथ एक समय में जिला मुख्यालय सहित सभी विकासखंड मुख्यालयों में भी किया गया।

लोभ, लालच से दूर निर्भय होकर करें मतदानः कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़ । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धर्मेश कुमार साहू और सहायक रिटर्निंग अधिकारी वासु जैन सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम घोठला बड़े में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत वृद्धजन एवं दिव्यांग सम्मान एवं स्वास्थ्य शिविर में शामिल हुए। जिले में शत् प्रतिशत मतदान करने और मतदान को बढ़ावा देने के लिए किया गया, जिसमें गांव के ग्रामीण महिला पुरूष, वृद्धजन, युवा, दिव्यांग आदि शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरूआत छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। आवासीय प्रांजल विद्यालय सारंगढ़ के मानसिक दिव्यांग बच्चों के द्वारा सुस्वागतम और सांस्कृतिक गीत नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इसी प्रकार गांव की बालिकाओं द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत की गई। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू, नोडल अधिकारी हरिशंकर चौहान एवं एसडीएम वासु जैन ने इस अवसर पर वृद्धजनों को शॉल और श्रीफ्ल से सम्मानित किया। इसके साथ ही कलेक्टर ने स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर कलेक्टर साहू ने कहा कि आप सभी वोट दें और आप अपने से जुड़े लोगों को वोट देने के लिए प्रेरित करें। भारत चुनाव आयोग ने 80 वर्ष से अधिक आयु, दिव्यांग एवं असक्षम मतदाता को विशेषकर व्यवस्था किए हैं कि जिससे वे अपने घर बैठे मतदान कर सकते हैं। आप सभी मतदाता अपने विवेक से लोकतंत्र के चुनाव में बिना किसी डर के, बिना किसी लोभ के, उसी व्यक्ति को अपना वोट दें जिस को आप पसंद करते हैं, जो आपके दुख सुख में काम आएं। देश का गर्व और लोकतंत्र के पर्व को आप सभी आनंद से मनाएं। स्वीप नोडल अधिकारी हरिशंकर चौहान ने कहा कि मतदान के दिन मतदान केन्द्र में व्हील चेयर, पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था रहेगा। अभी सामूहिक शपथ हम सभी ने लिया। एक-एक वोट से सरकार बनता है। मतदान की तिथि 7 मई को सभी अपना वोट दें। इस अवसर पर जिले के बिहान समूह की महिलाओं ने धार्मिक आयोजन में उपयोग किए जाने वाले कई दीपों से सजे कलश के इर्द-गिर्द सामूहिक शपथ लिए। कार्यक्रम का संचालन और व्यवस्था समाज कल्याण विभाग के प्रभारी अधिकारी विनय तिवारी और सीईओ संजू पटेल के द्वारा की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मतदाता उपस्थित थे। कलेक्टर धर्मेश साहू के आग्रह पर बालिका ने जन्मदिन पर ईव्हीएम केक काटी इस अवसर पर कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू के आव्हान पर एक बालिका के जन्मदिन पर उनके और एक वृद्ध माता के हाथों ईव्हीएम मशीन की आकृति पर बना केक को काटा गया।

कलेक्टर साहू ने सहज भाव से केक का पहला निवाला वहां पर उपस्थित एक बच्चे को देने के लिए कहा, बच्चे को केक दिया गया और वह बालक खुश हुआ। कलेक्टर सहित सभी लोगों के साथ मूकबधिक बच्चों ने सांकेतिक भाषा में मतदाता शपथ लिया।

भागवत कथा से बढ़ती है धर्म के प्रति लोगों की आस्थाः पं. कृष्ण

कोरबा। आदि शक्ति महिला मंडल के तत्वाधान में 6 अप्रैल तक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ सप्ताह का आयोजन रेलवे स्टेशन के सामने वार्ड नं. 8 में किया गया। जिसमें अंचल के व्यवसायी और सप्तदेव मंदिर के ट्रस्टी अशोक मोदी ने पहुंचकर कथावाचक पं. कृष्ण कुमार का सम्मान किया व उनका आशीर्वाद प्राप्त कर कथा का रसपान किया। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि कोरबा ही नहीं अपितु पूरे देश भर में इस प्रकार की कथा का आयोजन किया जाना चाहिये। इससे धर्म के प्रति लोगो में आस्था बढ़ती है।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

जिले के 14 बंधक मजदूरों को तमिलनाडु से लाया गया वापस

कांकेर (ए.)। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार श्रम पदाधिकारी के मार्गदर्शन में जिले के 14 बंधक मजदूरों को तमिलनाडु से वापस लाकर और मजदूरी राशि का भुगतान कराया गया। कलेक्टर को कांकेर जिले के तहसील अंतागढ़ सरईपारा, फुलपाड़ निवासी संतुराम गावड़े ने अपनी पुत्री को एसएमआर फ्लाईएश ब्रिक्स, जुनजुपल्ली, बिलान्कुप्पम, जिला कृष्णागिरी तमिलनाडु में बंधक बनाने की शिकायत मिलने पर पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करते हुए श्रमिकों को लाने के लिए रेस्क्यू टीम का गठन किया गया।

गौरतलब है कि बंधक मजदूरों को तमिलनाडु में पिछले 3 महीनों से बंधक बनाकर मजदूरों से बिना मजदूरी दिए काम कराया जा रहा था। उक्त संबंध में जिला प्रशासन के द्वारा संज्ञान में लिया गया और टीम गठित कर 5 अप्रैल को तमिलनाडु जिला कृष्णागिरी से सभी श्रमिकों को 7 अप्रैल को कांकेर सकुशल पहुंचाया गया एवं बंधक श्रमिकों को जिला कलेक्टर को सकुशल वापसी के संबंध में अवगत कराया गया। बंधक श्रमिकों में कुल 30 श्रमिक को अवमुक्त कराया गया, जिसमें कांकेर जिले से 14, नारायणपुर जिले 10 और कोण्डागांव जिले से 6 श्रमिकों को अवमुक्त कराकर उनके परिवारजनों को सकुशल सौंपा गया। उक्त कार्यवाही में श्रम निरीक्षक टीपी तिवारी एवं श्रम उप निरीक्षक विवेक साव का विशेष योगदान रहा।

यात्री बस से बरामद हुआ 16 लाख 90 हजार रुपये नगद

रायपुर (ए.)। जिले की मंदिर हसौद थाना पुलिस तथा एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की संयुक्त टीम ने सोमवार को यात्री बस से एक यात्री के पास से 16 लाख 90 हजार रुपये नगद बरामद किया है। रूपयों के बारे में कोई दस्तावेज नही होनें के बाद पुलिस की टीम ने रुपये जब्त कर अग्रिम कार्यवाही हेतु इनकम टैक्स विभाग रायपुर के सुपुर्द कर दिया।

बता दें कि अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने सहित आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह के निर्देशानुसार जिला रायपुर के समस्त थाना क्षेत्रों में समस्त प्रकार के वाहनों सहित संदिग्ध व्यक्तियों की लगातार चेकिंग की जा रही है। इसी तारतम्य में सोमवार को थाना मंदिर हसौद क्षेत्रांतर्गत स्थित टोल नाका के पास थाना मंदिर हसौद पुलिस एवं एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की संयुक्त टीम द्वारा वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक यात्री बस को चेक करने पर एक यात्री के पास बैग में नगदी रकम रखा होना पाया गया। टीम के सदस्यों द्वारा यात्री से नगदी रकम के संबंध में पूछताछ करने एवं वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसके द्वारा गोलमोल जवाब देते हुए नगदी रकम के संबंध में किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा यात्री के कब्जे से नगदी रकम 16 लाख 90 हजार रुपये को थाना मंदिर हसौद में जप्त कर अग्रिम कार्यवाही हेतु इनकम टैक्स विभाग रायपुर के सुपुर्द किया गया।

लखनपुर में बालिका वधू बनने से बची नाबालिग

लड़के व उसके परिजन को दी सझाइश

कोरबा (ए.)। महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस की संयुक्त पहल से आदिवासी बाहुल्य कोरबा जिले में एक नाबालिग बालिका वधू बनने से बच गई। बारात आने से पहले टीम मौके पर पहुंचकर परिजनों को बाल विवाह के दंडात्मक कानूनों से अवगत कराते हुए समझाइश देकर बाल विवाह रुकवाने में सफल रही। पोड़ी-उपरोड़ा परियोजना के अंतिम वनांचल ग्राम लखनपुर के (पुरानी बस्ती ललमटिया पारा) में यादव परिवार में शादी का कार्यक्रम रखा गया था। महिला एवं बाल विकास विभाग को सूचना दी गई कि लड़की नाबालिग है।

विश्वस्त सूत्रों से सूचना मिलते ही परियोजना अधिकारी निशा कंवर ने डीपीओ रेणु प्रकाश से सूचना साझा की। डीपीओ रेणु प्रकाश ने तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। सीडीपीओ के नेतृत्व में पर्यवेक्षक स्वाति पैकरा, स्थानीय पुलिस आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शकुन साहू, सरपंच जगदीश प्रसाद के साथ संबंधित परिवार में पहुंचे। अधिकारियों को देखकर परिजन सकते में आ गए। जहां लडकी की आयु की पुष्टि करने अंकसूची की जांच की गई। लड़की के अंकसूची में उसकी जन्मतिथि 26.07.2006 अंकित की गई थी, जिसके अनुसार लड़की की आयु 17 वर्ष 8 माह पाया गया। अधिकारियों ने परिजनों को युवती के

विवाह की निर्धारित आयु 18 वर्ष पूर्ण होने के उपरांत ही विवाह करने की सझाइश दी। लड़के व उसके परिजन को भी सझाइश दी। साथ ही इस विधिक निर्धारित आयु से पूर्व विवाह करने पर बाल विवाह के लिए निर्धारित सजा के प्रावधानों से अवगत कराया। तब जाकर लंबी बहस के बाद परिजन माने। टीम ने शपथ पत्र भरवाकर नियम तोडने पर वैद्यानिक कार्रवाई की चेतावनी दी है। इस तरह प्रशासन बारात आने से पहले बाल विवाह रोकने में सफल रहा।

गांजा बेचते एक गिरफ्तार

रायपुर(ए.)। राजधानी की गोलबाजार थाना पुलिस ने थानक्षेत्र के मोतीबाग चौक के पास एक व्यक्ति को गांजा बेचते हुए गिरफ्तार कर उसके पास से एक किलोग्राम से अधिक मात्रा में गांजा बरामद किया है। मामलें में आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि थाना गोलबाजार क्षेत्रांतर्गत गुप्ता बिल्डिंग के सामने, मोतीबाग चौक के पास एक व्यक्ति अपने पास गांजा रखा है तथा बिक्री करने के फिराक में है। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना गोलबाजार पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम मोहम्मद निजामुद्दीन उर्फ इम्मू निवासी संतोषी नगर टिकरापारा रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखे थैला की तलाशी लेने पर थैला में गांजा रखा होना पाया गया।

अवैध शराब बेचने के दो मामले में तीन गिरफ्तार

धमतरी (ए.)। जिले के सोरिद पुल के पास एवं डोगानाला,मारागांव रोड में अवैध रूप से शराब बिकी करने वाले तीनों आरोपियों को कोतवाली एवं मगरलोड पुलिस ने गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से कुल 22 नग बटवाईजर मैगनम एवं 9 लीटर देशी कच्ची महुआ तथा बिक्री रकम नगद 250 रुपये जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय द्वारा आगामी लोक सभा चुनाव को शांतिपूर्ण, निर्विघ्न एवं निष्पक्ष सम्पन्न कराने, असामाजिक गतिविधियों व अवैध शराब बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने लगातार चलाया जा रहा अभियान चलाने के सख्त निर्देश दिये गए है। इसी तारतम्य में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध रूप से शराब रखने की मुखबीर सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस एवं मगरलोड पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए सोरिद पुल के पास कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी रूद्र नारायण साहू पिता रमेश साहू 34 वर्ष निवासी आमदी, थाना अर्जुनी जिला धमतरी तथा सुनील सोना पिता लालमंद सोना 33 वर्ष निवासी जालमपुर वार्ड,थाना धमतरी, जिला धमतरी को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों द्वारा सोरिद पुल के पास अपने स्कूटी वाहन से अवैध रूप से शराब परिवहन करते पकड़ा गया। आरोपियों के पास से 22 नग बटवाईजर मैगनम बीयर तथा वाहन जब्त कर आरोपियों के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली में आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई। वहीं दूसरे मामले में थाना मगरलोड पुलिस ने किशुन राम ध्रुव पिता भोलुराम 53 निवासी ग्राम सरईभदर द्वारा डोगानाला को मारागांव रोड में आम जगह पर शराब बिक्री करते रंगे हाथो पकड़ा तथा उसके पास से 9 लीटर कच्ची महुआ शराब तथा 250 रुपये बिक्री रकम जब्त किया है। मामलें में आरोपी के विरुद्ध थाना मगरलोड में आबकारी की धारा 34(2)के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई।

माजदा की चपेट में आए स्कूटी सवार, दो की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। शहर में बीती रात रफ्तार के कहर ने दो लोगों की जान ले ली। तेज रफ्तार माजदा ने स्कूटी सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में स्कूटी सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। यही नहीं माजदा में बैठे तीन मजदूर भी इस हादसे में घायल हुए हैं। घटना इतनी जबरदस्त थी कि माजदा चालक वाहन में ही फंसा रहा। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने चालक को बाहर निकाला। वहीं घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामला फरसागांव थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसा जगदलपुर से ट्रक लेकर निकले मंगल चक्रधारी रात करीब 11 से 12 बजे के बीच जैसे ही फरसगांव थाना क्षेत्र के कुल्हाड़गांव के पास पहुंचा। तभी अचानक से सामने चल रहे 407 माजदा को ठोकर मारते हुए वहीं बगल से जा रहे एक स्कूटी चालक को भी अपने चपेट में ले लिया। भीषण सड़क हादसे में 407 माजदा वाहन चालक पश्चिम बोरगांव निवासी दीपक डे और

स्कूटी चालक पश्चिम बोरगांव निवासी अजय पाल की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं ट्रक चालक ट्रक में फंसा रहा। इस घटना के दौरान 407 माजदा वाहन में तीन अन्य मजदूर भी बैठे थे। घायलों में मिथुन मरकाम, शैलेन्द्र नेताम के साथ ही संजू मरकाम घायल हो गए। घटना की जानकारी लगते ही फरसगांव पुलिस ने सभी घायलों को बेहतर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां घायलों का इलाज चल रहा है। इसके अलावा माजदा चालक का शव वाहन में बुरी तरह से फंसे होने के कारण उसे निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस घटना में माजदा चालक को भी गंभीर चोट आई है।

आकाशीय बिजली गिरने से दो मवेशी की मौत

गरियाबंद (ए.)। क्षेत्र में हो रहे बेमौसम बरसात के चलते किसान और आम लोग तो परेशान है। साथ ही बिजली कड़कने और आकाशीय बिजली गिरने से सोमवार की सुबह दो मवेशी की मौत हो गई। घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार सुबह से तेज गरज के साथ बारिश हो रहा था। इसी दौरान सुबह साढ़े नौ बजे जिला मुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर ग्राम नांगाबूडा में तेज़ बादल गरजा और आकाशीय बिजली गिरा जिससे ग्राम के पंचराम पटेल पिता मैकुराम पटेल के बाड़ी में लगा इमली के झाड़ में गिरे बिजली के चलते वही नजदीक में बंधे दो मवेशी की तत्काल मौत हो गई। घटना में कोई जनहानी नहीं हुआ।

कुसमुंडा खदानः फिर पलटा वाहन

कोरबा (ए.)। एसईसीएल की खदानों तथा कोयलांचल के मार्गों पर उड़ रहे धूल के गुब्बार इन दिनों हादसे का प्रमुख कारण बनते जा रहे हैं। गुब्बार की वजह से सामने आ रही गाड़ी अथवा खराब रास्ता नजर नहीं आता और वाहन या तो आपस में टकरा जाते हैं या अनियंत्रित होकर पलट जाती है जिससे चालकों की जान को खतरा बना रहता है। ऐसी ही घटना आज सुबह एसईसीएल मेगा प्रोजेक्ट कुसमुंडा में घटित हुई जहां गुब्बार के कारण एक वाहन पलट गया। जिसका चालक बाल-बाल बच गया। उसने किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई।

एसईसीएल कुसमुंडा खदान में आये दिन कोई न कोई घटना सामने आ रही है। खदान तो खदान आम रास्ते मे धूल का इस कदर अम्बार लगा हुआ है, जिसके कारण दुर्घटना हो रही है। ऐसा ही एक घटना एसईसीएल कुसमुंडा खदान में उस समय सामने आया जब धूल के गुब्बार के कारण जय अंबे प्राइवेट कंपनी की टाटा प्राइमा ट्रक पलट गई। एसईसीएल के खदान में धूल का गुब्बार लगा रहता है जिसके कारण सामने से आ रही गाड़ी भी नजर नही आती। जिसके कारण आये दिन खदान में दुर्घटना हो रही है। रविवार को भी कुसमुंडा खदान में जय अंबे प्राइवेट कंपनी की टाटा प्राइमा ट्रक पलटने की घटना सामने आई है जिसका कारण है धूल डस्ट इसके लिए एसईसीएल की जिम्मेदारी मानी जा रही है । ड्राइवर ने गाड़ी से कूद कर अपनी जान बचाई है।

डोंगरगढ़ चैत्र नवरात्रि मेला में 800 से अधिक पुलिसकर्मी होंगे तैनात

राजनांदगांव (ए.)। आज से 17 अप्रैल तक मां बम्लेश्वरी डोंगरगढ़ चैत्र नवरात्रि का पर्व मनाया जायेगा। इस दौरान डोंगरगढ़ में मां बम्लेश्वरी के दर्शन हेतु श्रद्धालुगण लाखों की संख्या में आने की संभावना है। इस दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने एवं सम्पूर्ण नवरात्रि पर्व को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अलग-अलग जिलों का बल बुलाया गया है जिसमें पुलिस जिला बल, सीएएफ होम गार्ड, यातायात पुलिस शामिल हैं।

सम्पूर्ण मेला व्यवस्था को 04 सेक्टर में बांटा गया है जिसमें लगभग 800 से अधिक पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों का ड्यूटी लगाया गया है, जिसे क्षीरपानी परिसर में बीपी राजभानू, सेनानी 8वीं वाहिनी छसबल राजनांदगांव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑपरेशन मुकेश ठाकुर व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव राहुल देव शर्मा द्वारा मेला ड्यूटी पर लगे बल को ब्रीफ कर ड्यूटी वितरण किया गया। यातायात पुलिस द्वारा अंजोरा बाईपास से रामदरबार, सुकुलदैहान, मुसरा होते हुए डोंगरगढ़ तक पैदल यात्रियों के लिए जगह-जगह बैरिकेट व पुलिस जवान तैनात किया गया है। उपर मॉ बम्लेश्वरी मंदिर से निचे मां बम्लेश्वरी मंदिर तक पुलिस जवानों को तैनात किया गया है ताकि दर्शनार्थियों को किसी प्रकार का परेशानियों का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर अति.पु.अधी. नक्सल ऑपरेशन राज. मुकेश ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव राहुल देव शर्मा, उप सेनानी 7वीं वाहिनी छस बल भिलाई मीता पवार, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगांव दिलीप सिसोदिया, उप पुलिस अधी. अजाक तनुप्रिया ठाकुर, पुलिस अनु.अधि. डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम, उप प.अधी. पीटीएस अंजली ऐरेवार, उप पु.अधी. नक्सल सेल राज. अजीत ओगरे, उप पु.अधी. दुर्ग एलेक्जेण्डर किरो, उप पु.अधी. बेमेतरा कौशिल्या साहू, सहायक सेनानी 8वीं वाहिनी राज. हरीश टोण्डर, उप पु.अधी. मुंगेली नवनीत पाटिल, सहायक सेनानी तीसरी वाहिनी छसबल अमलेश्वर अनिता सागर, सहायक सेनानी 14 वीं वाहिनी बालोद अजीत सिंह यादव, उप पुलिस अधी. रायगढ़ अनामिका जैन, उप पु.अधी. कोरिया जे.पी. भारतेन्दु , प्रशिक्षु उप पु.अधी. राजनांदगांव नवीन एक्का एवं जिले एवं अन्य जिले से आये अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

हाथी के कुचलने से एक की मौत, 3 ग्रामीणों ने भागकर बचाई जान

लकड़ी काटने जंगल गए थे चार ग्रामीण

जशपुर (ए.)। जशपुर वन मंडल का फरसाबहार जंगल में पेड़ों की कटाई करने गए ग्रामीण अमीर एक्का को हाथी ने कुचल कर मार डाला। वहीं मौजूद तीन अन्य लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मौके से ग्रामीणों का मोटर साइकिल और बड़ी मात्रा में लकड़ी जब्त किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायगढ़ जिले के लैलूंगा बस स्टैंड में घंटों तक एक हाथी ने उत्पाद मचाया हाथी के उत्पाद से आक्रोशित भीड़ ने हाथी को जंगल मे खदेड़ दिया। गुस्साए हाथी जशपुर जिले के फरसाबहार वन परिक्षेत्र में आकर लकड़ी काटने गए 4 ग्रामीणों पर हमला कर दिया। हाथी के हमले से तीन युवक भागकर जान बचाने में सफल रहे लेकिन अमीर नामक युवक को हाथी ने कुचलकर मार डाला। घटना की सूचना मिलने के बाद वन अमला ने मौके पर

पहुंच कर जंगल से 3 बाइक और काटी गई लकड़ियों का बड़ा ढ़ेर जब्त किया है।

फरसाबहार वन परिक्षेत्र अधिकारी आकांक्षा लकड़ा ने बताया कि रायगढ़ के लैलूंगा बस स्टैंड में घूंसे हाथी को ग्रामीणों के खदेड़े जाने पर गुस्साए हाथी ने डोंगादरहा निवासी अमीर एक्का को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। इस जंगल में चार लोग अवैध लकड़ी काटने जंगल गए हुए थे। उसी दौरान अचानक यह हादसा हुआ। लैलूंगा से खदेड़े हाथी के ऊपर जशपुर वन अमला लगातार ड्रोन कैमरा से निगरानी कर ही थी। जिसके बाद हाथी एलर्ट भी जारी किया जा रहा था।

ऑनलाईन सट्टाः एक आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (ए.)। देवेन्द्र नगर थाना पुलिस ने ऑनलाईन सट्टा संचालित करते एक आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस को आरोपी के मोबाईल फोन में लाखों रूपयों के सट्टा का हिसाब-किताब मिला है। साथ ही आरोपी को सट्टा संचालन के लिए आईडी उपलब्ध कराने वाले की जानकारी मिली है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार रायपुर पुलिस को मिली थी कि थाना देवेन्द्र नगर क्षेत्रांतर्गत समलेश्वरी नगर पार्किंग के पास एक व्यक्ति मोबाईल फोन के माध्यम से ऑनलाईन सट्टा का संचालन कर रहा है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना देवेन्द्र नगर पुलिस की टीम द्वारा उक्त स्थान जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया, पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम कमल खटवानी निवासी देवेन्द्र नगर रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखे मोबाईल फोन को चेक करने पर उसके द्वारा ऑनलाईन सट्टा का संचालन करना पाया गया। सट्टा संचालन के संबंध में कमल खटवानी से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसके द्वारा बताया गया कि पंकज उर्फ राहुल नामक व्यक्ति द्वारा उसे सट्टा संचालन हेतु अलग-अलग मोबाईल नम्बर एवं आईडी प्रदाय किया गया है। पंकज उर्फ राहुल द्वारा गोवा, पूणे एवं मुम्बई के निवासियों के माध्यम से भी सट्टा संचालन का कार्य कराया जाता है। जिस पर आरोपी कमल खटवानी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से मोबाईल फ ोन जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना देवेन्द्र नगर में छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 धारा 07 के तहत आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया। प्रकरण में आरोपी पंकज उर्फ राहुल फरार है जिनकी पतासाजी की जा रही है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें
9303289950, 9827806026
8962815243

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
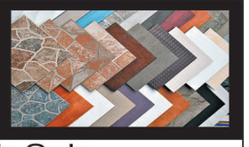
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

भवन स्वामी सम्पत्तिकर एक मुश्त भुगतान कर छूट का लाभ उठाएं

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत स्थित भवन/भूमि स्वामियों को उनके स्वामित्व के भवन/भूमियों पर चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु देय संपत्तिकर पर 1 अप्रेल 2024 से 31 मई 2024 तक एक मुश्त भुगतान करने पर 6.25 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। जिसका भवन/भूमि स्वामी लाभ उठा सकते है। भवन मालिक अपने भवन का संपत्तिकर की स्थिति जानने के लिए हेल्पलाईन व व्हाट्सअप नम्बर 9153986401 पर जानकारी प्राप्त कर सकते है एवं मांग अनुसार 6.25 प्रतिशत की छूट के साथ आंनलाईन वेबसाईट https/: chhattishgarhmunicipal.com में अपने देय करो का भुगतान कर रसीद प्राप्त कर सकते है।

सुबह जल प्रदाय के समय बंद रहेगी बिजली

भिलाई। जिलाधीश ऋचा प्रकाश चौधरी ने नगर पालिक निगम भिलाई के फिल्टर प्लांट से निकलने वाले पानी अंतिम छोर तक पहुंचे इस हेतु कार्यपालिक निर्देशक छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल वितरण कंपनी मर्यादित दुर्ग को पत्र लिखकर प्रात: 6:30 बजे से 7:30 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद करने के निर्देश दिये है। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने जानकारी देते हुए बताया कि भिलाई नगर निगम सीमा क्षेत्र के नेहरू नगर, स्मृति नगर, खम्हरिया, कोहका-I, कुरूद, फरीद नगर, कोहका-II, वैशाली नगर, हाउसिंग बोर्ड, मदर टेरेसा नगर, चंद्रामौर्या, गौतम नगर, छावनी, खुर्सीपार एवं हुड़को में स्थित जलागारों से जलप्रदाय किया जाता है। इन क्षेत्रो में जल वितरण के समय कतिपय लोगो द्वारा टुल्लु पम्प के माध्यम से पानी अतिरिक्त दोहन किया जाता है, जिससे की अंतिम छोर तक पानी पर्याप्त मात्रा में नही पहुंच पाता है। जिसकी शिकायत जिला कार्यालय एवं निगम कार्यालय को प्राप्त हो रहे थे, जन समस्या को देखते हुए जिलाधीश ने जलप्रदाय के समय विद्युत प्रवाह बंद करने के निर्देश दिये है। अत: पूर्व की भांति इस वर्ष भी उल्लेखित क्षेत्रों में प्रात: 6:30 बजे से 7:30 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद रखे जायेगे। जिससे ग्रीष्म ऋतु में जल का वितरण घर-घर संतुलित रूप से किया जा सके।

ईवीएम., वीवी पैट मशीन का किया गया प्रथम रेण्डमाईजेशन

दुर्ग। लोकसभा निर्वाचन-2024 अंतर्गत लोकसभा क्षेत्र क्रमांक 07 दुर्ग के लिए विधानसभाओं में उपयोग होने वाले ई.वी.एम. का प्रथम रेण्डमाईजेशन आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी की मौजूदगी में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में किया गया। जिले में उपलब्ध ई.व्ही.एम. बी.यू-3102, सी.यू-1875 एवं वीवी-पैट 2012 उपलब्ध है, जिसमें से प्रशिक्षण एवं जागरूकता हेतु बी.यू-100, सी.यू-100 एवं वीवी-पैट 100 पृथक किया गया है। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1385 मतदान केंद्र बनाए गए है, जिनमें विधानसभा क्षेत्र पाटन में 246 मतदान केंद्र, विधानसभा क्षेत्र दुर्ग ग्रामीण में 230, विधानसभा क्षेत्र दुर्ग शहर में 224, विधानसभा क्षेत्र भिलाई नगर में 169, विधानसभा क्षेत्र वैशाली नगर में 256 एवं विधानसभा क्षेत्र अहिवारा में 260 मतदान केंद्र शामिल है। रेण्डमाईजेशन पश्चात् जिले में अतिरिक्त ई.व्ही.एम. की संख्या बी.यू-1342, सी.यू-115 एवं वीवी पैट 114 सुरक्षित रखी जाएगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अरविंद एक्का, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी बजरंग दुबे एवं अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, दीपक निकुंज, मुकेश रावटे, महेश गुप्ता, समाज कल्याण उपसंचालक अमित परिहार सहित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

जेएलएन अस्पताल में 'मिशन लक्ष्मी' का शुभारंभ

महिलाओं को मिलेगी विशेष स्वास्थ्य सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट द्वारा संचालित सेक्टर-9 स्थित पं. जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर रविवार को मिशन लक्ष्मी की शुरुआत की गई। इस योजना के तहत सेक्टर -9 अस्पताल में महिलाओं, बालिकाओं व छोटी बच्चियों को इलाज की बेहतर सुविधाएं दी जाएंगी। योजना के पहले चरण में संयंत्र में कार्यरत ठेका श्रमिक महिलाओं को शामिल किया गया।

मिशन लक्ष्मी के शुभारंभ के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार उपस्थित हुए। उनके द्वारा प्रतीक चिन्ह (लोगो) का अनावरण कर किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने कहा कि इस मिशन का बहुत ही उचित व सार्थक नाम लक्ष्मी रखा गया है। लक्ष्मी वैसे तो धन की देवी है, परंतु यहां स्वास्थ्य को धन से जोड़ा जा रहा है। मनुष्य का स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है, उत्तम स्वास्थ्य रहने पर धन कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार है इसके तहत इस योजना के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य की व्यापक देखभाल की जा सकेगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक जे वाइ सपकाले उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, डॉ एम रविन्द्रनाथ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रमोद बिनायके, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ के ठाकुर, महाप्रबंधक शिवराजन सहित आदि लोग उपस्थित थे।

पहले चरण में ठेका श्रमिक महिलाएं योजना में शामिल

इस योजना के प्रथम चरण में संयंत्र की ठेका श्रमिक महिलाओं को शामिल किया गया है। 'मिशन लक्ष्मी के तहत बालिकाओं, युवतियों एवं महिलाओं का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, स्वास्थ्य संबंधित जानकारी, आयरन, फोलिक एसिड व एलबेंडाजाल टेबलेट का वितरण तथा रक्त में हीमोग्लोबिन की मात्रा की जांच आदि शामिल है। इस अवसर पर चीफकंसल्टेंट (स्त्री रोग) डॉ निशा ठाकुर ने स्तन कैंसर व प्रजनन अगों के कैंसर के लक्षण, परीक्षण तथा सजगता के बारे में बताया तथा श्रीमती परोमिता दासगुप्ता द्वारा खान-पान में संतुलित आहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उपस्थित कर्मचारियों द्वारा पूछे गए एनीमिया व कैंसर से संबंधित शंकाओं का समाधान किया गया। इस दौरान क्विज का भी आयोजन किया गया, जिसका संचालन डॉ प्रिया साहू द्वारा किया।

महिलाओं के स्वास्थ्य की होगी व्यापक देखभाल

इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाएं कार्यक्षेत्र के साथ ही अन्य सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही है। घर, परिवार एवं कामकाज में व्यवस्तता के कारण वह स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती हैं। मिशन लक्ष्मी महिलाओं के व्यापक स्वास्थ्य देखभाल पर केन्द्रित है। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित अतिथियों का पौधा देकर स्वागत किया गया। अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनीषा कांगो ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए 'मिशन लक्ष्मी से संबंधित जानकारी प्रदान की। भिलाई इस्पात संयंत्र, महिला कर्मचारियों के कल्याणार्थ समय-समय पर विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी देखभाल कार्यक्रमों एवं जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

नेशनल साइकिल पोलो चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ की टीमें दो वर्गों में विजेता, दो खिलाड़ी बने बेस्ट प्लेयर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ सायकल पोलो की टीमों ने दो वर्गों में विजेता का खिताब जीता है। छत्तीसगढ़ के सीनियर महिला टीम व जूनियर बालकों की टीम ने फाइनल मैच जीतकर खिताब पर कब्जा किया। सब जूनियर बालक वर्ग में उपविजेता पदक के साथ कुल 3 खिलाड़ियों को फेडरेशन कलर एवं 2 खिलाड़ियों को बेस्ट प्लेयर का खिताब भी मिला।

नागपुर महाराष्ट्र में 28 से 30 मार्च 2024 तक आयोजित 24वीं सीनियर महिला, 38वीं सब जूनियर बालक एवं 42वीं जूनियर बालक व 44वीं सिनियर पुरुष राष्ट्रीय सायकल पोलो प्रतियोगिता 2023-24 में छत्तीसगढ़ का दबदबा रहा।प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के सीनियर महिला टीम ने केरल को 4-1 से पराजित कर लगातार 8वीं बार राष्ट्रीय विजेता होने का गौरव प्राप्त किया है। इसी प्रकार जूनियर बालक वर्ग में भी छग टीम ने पश्चिम बंगाल को एक तरफा 6..0 से पराजित कर विजेता ट्रॉफी पर लगातार 7वीं बार कब्जा किया। विगत 09 से वर्षों से लगतार राष्ट्रीय चैंपियन रही छत्तीसगढ़ की सब जूनियर बालक की टीम को इस वर्ष रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा।

टीम के सीनियर महिला वर्ग की कुमारी लक्ष्मी निर्मलकर, जूनियर बालक से योगेश्वर साहू, सब जूनियर बालक में भावेश साहू को फेडरेशन कलर का खिताब मिला तथा बेस्ट प्लेयर का खिताब सीनियर महिला वर्ग में पूनम देवी एवं जूनियर बालक में चंद्रशेखर साहू को मिला।भिलाई इस्पात संयंत्र साइकलिंग तथा साइकिल पोलो क्लब के अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर, परविंदर सिंग, सचिव संजीव सारस्वत, छत्तीसगढ़ सायकल पोलो संघ के अध्यक्ष डॉ रमेश श्रीवास्तव, सचिव वीआर चन्नावर आदि ने छत्तीसगढ़ टीम की इस उपलब्धि पर सभी खिलाड़ियों को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

मां चंडी को प्रणाम कर विधायक गजेंद्र कार्यकर्ताओं संग करेंगे वार्ड दौरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नवरात्रि के प्रथम दिन माँ चंडी का आशीर्वाद लेकर विधायक गजेन्द्र यादव दुर्ग शहर के कार्यकर्ताओ संग वार्डो में पहुंचेंगे और तीसरी बार मोदी सरकार बनाने और भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल को प्रचंड मतों से विजय बनाने नागरिकों से अपील करेंगे। दुर्ग विधानसभा भाजपा के चारों मंडल के पदाधिकारियों की बैठक में सभी मतदाताओं तक पहुंचने चुनावी रणनीति बनाई गई।

लोकसभा चुनाव में तीसरी बार मोदी सरकार बनाने को संकल्पित दुर्ग शहर विधानसभा के भाजपा कार्यकर्त्ता एवं पदाधिकारियों ने मतदाताओं को बीजेपी के पक्ष में वोट मांगने प्रचार-प्रसार की रूपरेखा तैयार की गई। आज नवरात्री के प्रथम दिन से वार्ड न. 03, 04 व 05 में सुबह 9:00 बजे से दौरे की शुरुआत चंडी मंदिर में माता के आशीर्वाद लेकर की जाएगी। दुर्ग शहर विधानसभा के चारों मंडलों के विभिन्न वार्डों में विधायक गजेन्द्र यादव लोक सभा चुनाव के भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल के पक्ष में मतदान करने एवं तीसरी बार मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने दौरा कार्यक्रम बनाया गया। बैठक में राजेन्द्र पाध्ये विधानसभा संयोजक, विनायक नातू जिलाउपाध्यक्ष, संतोष सोनी, अजय तिवारी, शिवेन्द्र परिहार, मदन बदर, अजय तिवारी, शिवेन्द्र परिहार, मदन, सुनील साहु, सुनील अग्रवाल, भन्नू, श्याम शर्मा, पोषण साह, मनमोहन शर्मा, राकेश यादव, आसिफ अली, रिता मश्राम, देवनारायण चंद्राकर, नरेश तेजवानी, हेमंत देवांगन, श्रीमती अल्का बाघमार, जिलाउपाध्यक्ष साजन जोसफ, अशोक राठी, बंटी चाहान, उमेश यादव, उदय शंकर त्रिपाठी, अतुल पहाड़, योगेश यादव उपस्थित थे।

नाली जाम करने वालों से निगम ने वसूला जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम क्षेत्र के नाली को जाम करने वालो के विरूद्ध कार्यवाही कर स्वास्थ्य अमले ने 14 हजार रूपया अर्थदण्ड के रूप में वसूल किया, ताकि बरसात के दिनो में वर्षा जल जमा न हो इसे ध्यान में रखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा सम्पूर्ण क्षेत्र के छोटे बड़े नालियों की सफाई किया जा रहा है। नाली के उपर सामान रखकर अवैध निर्माण करने अथवा कचरा डाल कर चोक करने वालो के खिलाफ अर्थदण्ड की कार्यवाही भी किया जा रहा है। आयुक्त क्षेत्र भ्रमण कर सफाई कार्य का मानिटरिंग कर रहे है।

आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर सभी जोन आयुक्त प्रात: मैदानी क्षेत्रो में उतर कर सफाई कार्य करवा रहे है। सोमवार को जोन-2 के जोन आयुक्त येशा लहरे अपनी सफाई टीम के साथ वृन्दानगर गौरव पथ पहुंची तो रजनी टाइल्स दुकान के मालिक ने नाली के उपर विक्रय सामग्री रखा था, जिससे नाली के सफाई में बाधा बन रहा था, उनसे अर्थदण्ड के रूप मे दो हजार रूपये वसूला गया। उसी प्रकार सुपेला माया यादव से 5 हजार, कैलाश नगर में मिन्टू सिंह से 5 हजार तथा अशोक कुमार से 2 हजार रूपये इस प्रकार 14 हजार रूपया अर्थदण्ड के रूप में वसूल किया गया।

बता दे कि जोन का स्वास्थ्य अमला लगातार क्षेत्र भ्रमण कर नाली में बाधा उत्पन्न करने वाले लोगो को समझाईस देकर उन्हे अवैध निर्माण तथा बिडिंग मटेरियल को हटाने के लिए समय दिया गया था, किन्तु दुबारा जॉच में स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं आने पर नाली को जाम करने वालो के विरूद्ध जुर्माना वसूली की कार्यवाही की है। आयुक्त के निर्देश पर सभी जोन क्षेत्रो में नालियो की आकार को ध्यान में रखकर आवश्यकतानुसार जे.सीबी. मशीन से तथा कामगार लगाकर नालियो की गहराई से सफाई कार्य किया जा रहा है।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की आधी वार्षिक परीक्षाएं समाप्त, लगभग 05 लाख उत्तरपुस्तिकाएं मूल्यांकित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग की लगभग आधी वार्षिक परीक्षाएं समाप्त हो चुकी है। इनमें बीसीए, तथा बीकॉम की स्नातक परीक्षाएं प्रमुख है। स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षाएं 23 अप्रैल तक जारी रहेगी।

यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के परीक्षा उपकुलसचिव, डॉ. राजमणि पटेल ने बताया कि अबतक विष्वविद्यालय के वार्षिक परीक्षा के 70 परीक्षा केन्द्रों से लगभग सात लाख उत्तरपुस्तिकाएं विष्वविद्यालय को प्राप्त हो चुकी है। इनमें से लगभग पांच लाख पचपन हजार उत्तरपुस्तिकाएं मूल्यांकन कार्य पूर्णता: की ओर है। डॉ. राजमणि पटेल ने बताया कि विष्वविद्यालय प्रषासन 15 अप्रैल तक अनेक परीक्षा परिणाम जारी करने का प्रयास कर रहा है। इनमें वें सभी परीक्षा परिणाम शामिल होंगे जिनकी परीक्षाएं समाप्त हो चुकी है। इस बीच विष्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षाओं में अबतक लगभग 75 नकल प्रकरण दर्ज किये गये है। जिनका निराकरण विश्वविद्यालय द्वारा गठित प्राध्यापकों की नकल प्रकरण निवारण समिति शीघ्र करेगी।

डॉ. पटेल ने बताया कि विभिन्न छात्र संगठन, पालकगण तथा छात्र-छात्राओं ने नकल प्रकरण के दौरान मोबाईल फोन जब्त न करने का विष्वविद्यालय प्रषासन से आग्रह किया था इस संदर्भ में विद्यार्थियों का आग्रह था कि बहुत से छात्र-छात्राएं शहर में किराये पर मकान लेकर रहते है तथा उन्हें दैनिक खर्च हेतु मोबाईल से ऑनलाईन पेमेंट की आवष्यकता होती है परन्तु मोबाईल विष्वविद्यालय में जब्त रहने के कारण उन्हें प्रतिदिन अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। इस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा ने अधिकारियों की बैठक में यह निर्णय लिया कि मोबाईल से नकल प्रकरण दर्ज होने पर परीक्षा हॉल में ही विद्यार्थी के फोन से दस्तावेज प्रिंट करा कर उसपे संबंधित विद्यार्थी, कक्ष निरीक्षक तथा परीक्षा केन्द्र के प्राचार्य के हस्ताक्षर करवा कर मोबाईल संबंधित परीक्षार्थी को तत्काल वापस कर दिया जायेगा।

युवा चौपाल में युवाओं का जोश हाई, लक्ष्मी नगर में घर-घर दस्तक दे, विधायक रिकेश सेन रवाना हुए दंतेवाड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर वैशाली नगर विधानसभा में विधायक रिकेश सेन जहां दुर्ग लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल को जिताने जनसंपर्क के माध्यम से वार्डवार समाज के विभिन्न वर्ग के बीच पहुंच रहे हैं वहीं युवा चौपाल में युवाओं के लिए मोदीजी की जनोपयोगी योजना की जानकारी दे उन्हें भाजपा के पक्ष में मतदान करने प्रेरित भी कर रहे हैं।

विधायक रिकेश सेन ने सोमवार की सुबह शंकराचार्य कालेज के समीप युवाओं की चौपाल में युवा संपर्क अभियान के दौरान बताया कि वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में युवा चौपाल लगाकर मतदान की शक्ति एवं मतदान जागरूकता के साथ ही केन्द्र सरकार द्वारा युवाओं के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी उनके द्वारा दी जा रही है। इसी कड़ी में भाजपा की युवा इकाई युवा मोर्चा के साथ शहर के हर प्रमुख स्थलों पर अलग-अलग वार्डो में युवा चौपाल का आयोजन किया जा रहा है जिसमें युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विभिन्न योजनाएं जिनसे युवाओं को सीधा लाभ पहुंच रहा है, से युवाओं को अवगत करवाया जा रहा है। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने इस दौरान दुर्ग लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल के द्वारा किए गए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए युवा संपर्क किया गया।

इसके पश्चात दोपहर 12 बजे से विधानसभा के वार्ड-9 राजीव नगर और 1 बजे से वार्ड-10 लक्ष्मी नगर में विधायक रिकेश सेन ने भाजपा, युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ घर-घर जनसंपर्क किया। श्री सेन ने कहा कि लोगों का उत्साह बता रहा है कि निश्चित तौर पर भाजपा इस बार 400 के पार सीटें लाएंगी।

मोदीजी की गारंटी और छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव सरकार की योजनाएं जनता हाथों हाथ ले रही है। महतारी वंदन योजना ने महिलाओं के बीच मोदीजी की गारंटी को प्रमाणित किया है। युवाओं में मोदीजी की कार्यशैली प्रेरणादायी है और लोग उनके दमदार नेतृत्व को बेहतर बता रहे हैं। जनसंपर्क के पश्चात भाजपा संगठन के निर्देश पर निश्चित कार्यक्रम अनुसार विधायक रिकेश सेन सामाजिक बैठक लेने दंतेवाड़ा रवाना हुए।

बीआरएम के कार्मिक व अधिकारी शिरोमणि पुरस्कार से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मिल्स जोन-1 के अन्तर्गत बीआरएम विभाग में 06 अप्रैल, 2024 को पाली एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्मिकों के बीच स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ कार्यक्षेत्र में नवीनता, संसाधनों का बेहतर उपयोग एवं उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों को बनाये रखते हुए कर्मठ कर्मचारियों को प्रेरित करना तथा उन्हें सम्मानित करना है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बीआरएम के महाप्रबंधक शांतनु कुमार बेहरा उपस्थित थे।

बीआरएम विभाग में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रबंधक अजय कुमार को पाली शिरोमणि एवं सीएमओसीटी पतिराम, ओसीटी रोहित अंसुल कुजूर, ओसीटी बुधान मर्दी, सीएमओसीटी कुलेश्वर राम साहू, सीएमओसीटी निर्मल सिंह तथा ओसीटी सचिन कुमार को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। शिरोमणि पुरस्कार विजेताओं को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह, कर्मचारी की पत्नी हेतु प्रशंसा पत्र एवं मिठाई का पैकेट प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक शांतनु कुमार बेहरा ने अपने उद्बोधन में कार्य के दौरान सभी सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने व संसाधनों का उच्चतम उपयोग करते हुए बेहतर प्रतिफल प्राप्त करने पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक के के ठाकुर, महाप्रबंधक एस एन त्रिपाठी, महाप्रबंधक आषीष, महाप्रबंधक समीर पाण्डेय, उप महाप्रबंधक तुषार श्रीखंडे तथा वरिष्ठ प्रबंधक एस के सोनी सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन उप प्रबंधक (कार्मिक मिल्स जोन-1) समायला अंसारी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अतिरिक्त श्रम-कल्याण अधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं स्मृति सिंह का सराहनीय योगदान रहा। इस योजना के तहत कर्म शिरोमणि पुरस्कार से उन कार्मिकों को सम्मानित किया जाता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950